जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 30 संख्या: 36 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 5 सितम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जी.एस.टी. 2.0 (रिफॉर्म्स का नया दौर) केवल आशा पर निर्भर नहीं है

वित्त मंत्री आशा कर रही हैं कि इन रिफॉर्म्स के कारण रोज़मर्रा का सामान सस्ता होगा, और डिमाण्ड (मांग) बढ़ेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। जीएसटी काउन्सिल द्वारा किए गए सुधार पूरे देश के लिए एक बड़ा बजट जैसा कदम हैं। यह कदम न सिर्फ केंद्र सरकार बल्कि राज्यों के बजट को भी तय करने वाला अहम कारक बनेगा। माल और सेवा कर यानी जीएसटी ने सभी अप्रत्यक्ष करों (इनडायरैक्ट टैस्सेज़) को मिलाकर एक साझा कर ढांचा बनाया था और अब यह केंद्र व राज्यों दोनों की कुल आय का बड़ा हिस्सा है।

दरअसल, जीएसटी की दरों में व्यापक बदलाव और कर की श्रेणियों को घटाने की कोशिश के पीछे क्या तर्क है? सबसे पहले, यह कर दरों की श्रेणियों को सरल बनाने और घटाने के वादे को पूरा करता है।

यह सुधार, 2017 में जीएसटी लागू करते समय शुरू हुए व्यापक कर सुधारों का ही हिस्सा है। उस समय देश में केंद्र और राज्यों की कई अलग-अलग कर व्यवस्थाएँ थीं जिन्हें मिलाकर एक समान "कर प्रणाली" यानी जी.एस.टी., बनाई गई।

- विदेश में (विशेषकर अमेरिका में) ऊंची टैरिफ के कारण भारतीय सामान के निर्यात को धक्का लगेगा। वित्त मंत्री चाहती हैं कि विदेशों में मांग घटने से व्यापार में आई कमी की भरपाई, देश में स्थानीय खपत बढ़ने से पूरी की जा सकेगी।
- टैक्स घटा कर, "इन्टर्नल डिमाण्ड" बढ़ाने का फार्मूला कई देश पहले ही अजमा चुके हैं। उदाहरण के लिये, अमेरिका में भी राष्ट्रपति रीगन की सरकार ने स्थानीय टैक्स काफी घटाये थे, तथा इससे देश में "इन्टर्नल डिमाण्ड" आंकलन से भी ज्यादा बढ़ी थी, और अमेरिका की इकॉनमी के वारे-न्यारे हो गये थे।
- पर अगर भारतीय उद्योगपतियों ने बढ़ती डिमाण्ड की पूर्ति के लिये, नया इन्वेस्टमैंट करके औद्योगिक क्षमता नहीं बढ़ाई, तो सप्लाई की पूर्ति नहीं कर पायेंगे और मंहगाई बढ़ेगी, और इकॉनमी में उल्टा चक्कर घूमने लगेगा और अगर इकॉनमी इस व्यूहरचना में फंस गई तो उससे उबरना बहुत मुश्किल होगा।

उस समय वादा किया गया था कि केवल दो टैक्स स्लैब होंगे, लेकिन व्यवहारिक कारणों से चार स्लैब लागू किए गए और लक्ष्य रखा गया कि धीरे-धीरे इन्हें दो स्लैब्स में समेटा जाएगा। वर्तमान सुधार उसी दिशा में कदम है जिसमें अब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और एक अलग, 40 प्रतिशत का "सिन टैक्स" शामिल है।

औसतन, जीएसटी केंद्र और राज्यों की कुल आय का लगभग 44 प्रतिशत है, तथा राज्यों की आय में इसका हिस्सा और भी अधिक है। इसलिए दरों में बदलाव से राज्यों की वित्तीय स्थिति केंद्र से ज्यादा प्रभावित हो सकती है। चूंकि जीएसटी की दरें काउन्सिल तय करती है और न तो केंद्र और न ही राज्य इन्हें अकेले बदल सकते हैं, इसलिए ये घोषणाएँ एक ठोस व स्थाई ढांचा देती हैं जिसके भीतर बजट बनाना अनिवार्य होगा।

नए जी.एस.टी. सुधारों की घोषणा से बजट बनाने के लिए एक आधार तय हो गया है।

जीएसटी 2.0 कहलाने वाले इस स्लैब सुधार की घोषणा पुराने बजट घोषणाओं जैसी लगी, जहाँ कर में बदलाव के असर से रोज़मर्रा की चीज़ों की कीमतें ऊपर-नीचे होती थीं, सिगरेट महंगी, बीड़ी सस्ती, एसी महंगे, डीज़ल सस्ता और इसी तरह।

सवाल है कि अभी ये बदलाव क्यों? दरअसल, स्लैब घटाने और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जमानती अपराध पर महिला आरोपियों को 43 दिन जेल में रखना खेदजनक

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानती अपराध होने के बावजूद, महिला आरोपियों का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर जेल भेजने तथा उन्हें 43 दिन तक जेल में रखने पर खेद जताया है। इसके साथ ही, अदालत ने न्यायिक मजिस्ट्रेट और एडीजे क्रम-6 महानगर द्वितीय की ओर से पेश स्पष्टीकरण से असंतुष्ट होते हुए रजिस्ट्रार को आदेश दिए हैं कि वे प्रकरण की

- हाई कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी मशीनी अंदाज में जमानत प्रार्थना पत्र नहीं निपटायें।

जानकारी जिले के गार्जियन जज को दें। वहीं अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वे संबंधित जांच अधिकारी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांग कर आगामी कार्रवाई करें। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को भी कहा है कि यदि उन्हें लगता है कि प्रकरण में उनके मौलिक अधिकारों की अवहेलना हुई है तो वे कानूनी प्रावधानों का सहारा ले सकती हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने ये आदेश मीतू पारीक और इंदू वर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, न्यायिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने माना उत्तरी राज्यों में भारी बाढ़ का प्रमुख कारण पेड़ों की अवैध कटाई है

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मीडिया रिपोर्ट्स में बाढ़ में लकड़ी के बड़े-बड़े लट्ठे बहते हुए दिख रहे हैं, ऐसा लगता है पहाड़ों पर पेड़ों को अवैध रूप से काटा जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही पर गहरी चिंता जताई और पहाड़ी इलाकों में "पेड़ों की अवैध कटाई" को इसका प्राथमिक कारण माना।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के दौरान बहती लकड़ियों के वीडियो फुटेज का हवाला देते हुए कहा, "यह एक गंभीर मामला है। मीडिया रिपोर्ट्स में देखा गया है कि बाढ़ में भारी मात्रा में लकड़ी के लट्ठे बहते हुए नजर आए। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पहाड़ों में पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है।

पीठ ने केंद्र सरकार को – पर्यावरण मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से – और साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई और जस्टिस के. विनोदचंद्रन की बैंच ने इस बारे में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को संबोधित करते हुए कहा, ध्यान दीजिए, बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे दिख रहे हैं इससे लगता है पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है।
- एस जी मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि वे इस बारे में जल्दी से जल्दी पर्यावरण मंत्रालय व राज्यों के मुख्य सचिवों से बात करेंगे।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय, जलशक्ति विभाग, नैशनल डिज़ास्टर मैनेजमैंट अथॉरिटी, नैशनल हाइवेज़ अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर व उत्तराखंड सरकार को नोटिस भेजकर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। उसके बाद आगे सुनवाई होगी।

(एनडीएमए) तथा पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। इसके बाद इस मामले की आगे सुनवाई होगी।

मुख्य न्यायाधीश ने चिंता व्यक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने "सिन गुड्स" (हानिकारक और विलासिता की वस्तुओं) पर 40 प्रतिशत जी एस टी लगाया

सिन गुड्स ऐसे उत्पाद हैं, जो स्वास्थ्य एवं समाज के लिए हानिकारक हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। सरकार ने "सिन गुड्स" और कुछ विलासिता की वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स-जीएसटी) की एक नई स्लैब शुरु की है, जो अब तक की सबसे ऊँची दर है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित इस नई जीएसटी संरचना में अधिकांश वस्तुओं पर कर को घटाकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

यह नई टैक्स -व्यवस्था 22 सितम्बर से लागू होगी।

"सिन गुड्स" वे उत्पाद हैं जो स्वास्थ्य या समाज के लिए हानिकारक माने जाते हैं। इनमें तंबाकू, गुटखा, पान मसाला, शराब और शक्कर युक्त पेय शामिल हैं। दुनिया भर की सरकारें इन वस्तुओं पर अधिक कर लगाती हैं, ताकि इनके उपभोग को हतोत्साहित किया जा सके और साथ ही जनकल्याण के लिए राजस्व भी बढ़ाया जा सके।

- सिन गुड्स में शराब, सिगरेट, गुटखा, जर्दा के अलावा कोल्ड ड्रिंक्स, चीनी वाले फलों के रस और कैफीन युक्त पेय पदार्थ प्रमुख हैं।
- सुपर लग्ज़री, अर्थात् अति विलासिता वाली वस्तुओं में लग्ज़री कारें, महंगी बाइक्स, रेसिंग कार, लग्ज़री यॉट, निजी विमान आदि को रखा गया है।
- सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग और गैम्बलिंग पर भी 40 प्रतिशत टैक्स लगाया है।

भारत में, सिन गुड्स पर पहले से ही सबसे ऊँची जीएसटी दर लागू थी- 28 प्रतिशत के साथ अतिरिक्त क्षतिपूरक उपकर (कम्पेन्सेशन सेस)। अब चूँकि उपकर को धीरे-धीरे समाप्त किया जा रहा है, तो यह कर भार 40 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में समाहित कर दिया गया है।

40 प्रतिशत स्लैब को विशेष दर कहा गया है क्योंकि यह केवल कुछ सीमित वस्तुओं पर लागू होती है - मुख्यत: पाप वस्तुओं और कुछ अत्यंत विलासिता की वस्तुओं पर। इसके पीछे के कारण: उपकर समाप्त करने से इन वस्तुओं पर कर -संग्रह में कमी आ सकती थी। इसे जीएसटी में मिलाकर सरकार ने कर- भार को यथावत रखा है।

यह ऊँची दर उन उत्पादों के उपभोग को हतोत्साहित करने के लिए है जो स्वास्थ्य या सामाजिक दृष्टि से हानिकारक हैं।

40 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत सिन गुड्स की पूरी सूची: पान मसाला, सिगरेट, गुटखा, चबाने वाला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस. आई. भर्ती : एक और अभ्यार्थी गिरफ्तार

जयपुर, 4 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 मामले में कार्रवाई करते हुए, एक और अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने परीक्षा से पहले लीक सॉल्वड पेपर पढ़ कर लिखित परीक्षा पास की थी। आरोपित ने आठ लाख रुपए में सौदा करके पेपर लेकर लिखित परीक्षा तो पास की,लेकिन अंतिम रूप से चयन नहीं हो पाया। एसओजी की

- आरोपी ने लीक सॉल्वड पेपर पढ़कर लिखित परीक्षा पास की थी, पर अंतिम रूप से चयन नहीं हुआ।

टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए परीक्षा से पहले लीक सॉल्वड पेपर पढ़ कर लिखित परीक्षा पास करने वाले आरोपित रिंकू यादव (33) निवासी नगर जिला डीग भरतपुर हाल कामां जिला डीग भरतपुर को गिरफ्तार किया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि रिंकू ने कार्तिकेय शर्मा के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ट्रैक्टर लेकर विधानसभा पहुंचे

कई विधायक बारिश से खराब हुई फसल भी लेकर आये

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को, भारी बारिश से खराब हुई फसलों के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष में बैठे कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सदन में नारेबाजी की, वैल में आकर विरोध जताया और स्पीकर से भी तीखी बहस की। हालात इतने बिगड़े कि सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। दूसरी बार की कार्यवाही महज 33 मिनट ही चल सकी। हंगामे के बीच तीन बिल पास करवाए गए और फिर कार्यवाही सोमवार, 8 सितंबर तक के

- आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बीच स्थगन प्रस्तावों का जवाब दिया।

लिए स्थगित कर दी गई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली खुद ट्रैक्टर लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। इसके बाद कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली गुरूवार को बारिश से खराब हुई फसलों और किसानों की अनदेखी पर विरोध जताने के लिए ट्रैक्टर चलाकर विधानसभा परिसर पहुंचे।

विधायक पैदल मार्च करते हुए विधानसभा के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई विधायक अपने हाथों में, भारी बारिश के कारण खराब हुई फसलें भी लेकर आए थे, ताकि सरकार को जमीनी हकीकत से रूबरू कराया जा सके।

शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने अतिवृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का मुद्दा उठाया। विधायक अमित चाचाण और नरेन्द्र बुढ़ानिया ने कहा कि लाखों एकड़ में फसलें खराब हो चुकी हैं, लेकिन सरकार ने अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने राजस्थान शतरंज संघ के चुनाव पर रोक लगाई

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान शतरंज संघ के 6 सितंबर को प्रस्तावित चुनाव पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में महावीर रांका, शतरंज संघ और सहकारिता विभाग को नोटिस जारी

- पूर्व में अध्यक्ष रहे महावीर रांका, शतरंज संघ व सहायता विभाग से जवाब मांगा।

कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश अशोक कुमार भार्गव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अखिल सिमलोट ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजस्थान शतरंज संघ का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस को "वोट चोरी" के बाद "एथनॉल मिक्सिंग" दूसरा सबसे बड़ा स्कैम नज़र आता है

कांग्रेस के मीडिया व पब्लिसिटी चेयरमैन पवन खेड़ा ने प्रैस कॉन्फ्रेंस करके इस नए स्कैम को साबित करने के लिये काफी आंकड़ेबाजी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यहां एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर जमकर हमला बोला, खासकर एथनॉल नीति और जीएसटी सुधारों में देरी को लेकर।

उन्होंने जीएसटी सुधारों में आठ साल की देरी पर मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अब सरकार आखिरकार राहुल गांधी की लंबे समय से दी जा रही सलाह को मान रही है। राहुल गांधी ने गरीबों और व्यापारियों पर जीएसटी के प्रभाव की पुनर्समीक्षा की मांग की थी।

उन्होंने कहा, आज एथनॉल पर हम थोडी बात करेंगे, काफी दिनों से चर्चा चल रही है इथेनॉल पर और एथनॉल पर

- खेड़ा के अनुसार, सात साल हुए जब भाजपा ने "एथनॉल" पेट्रोल में मिलाकर, पेट्रोल के दाम गिराने का दावा किया था, पर सात साल बाद आज तक ऐसा कुछ नहीं हुआ।
- भारत का प्रारंभिक वादा था, नगर पालिकाओं से निकले "वेस्ट" को एकत्रित कर उससे एथनॉल बनाया जायेगा। जिसे पेट्रोल व डीजल में मिलाकर बेचा जायेगा और पेट्रोल 55 रु. लीटर के भाव बिकेगा और इसलिये सरकार एथनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित करने जा रही है।
- पर सात साल बाद भी म्युनिसिपल वेस्ट व लकड़ी के बुरादे से एक लीटर एथनॉल भी नहीं बना है।
- इसी प्रकार यह भी वादा किया गया था, कि एथनॉल के उपयोग से प्रदूषण कम होगा, जबकि सच तो यह है कि लीटर एथनॉल बनाने के लिये तीन हजार लीटर पानी की खपत होती है। इससे पर्यावरण का फायदा है या नुकसान।
- खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि भारत में निर्मित वाहनों में एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से, इंजन बहुत जल्दी फुंक जाता है।

बात करने से पहले मैं उस वायदे की बात करुंगा, जो 2014 में केन्द्र सरकार ने बार-बार दोहराया था। उन्होंने ये कहा था कि म्युनिसिपल वेस्ट जो नगरपालिका से निकलता है, जमा होता है, उस वेस्ट से एथेनॉल बनेगा, उसको पेट्रोल और डीजल में डाला जाएगा और उसके बाद पेट्रोल 55 रुपए लीटर उपलब्ध होगा। ये मेरे शब्द नहीं हैं, केन्द्र सरकार के शब्द हैं, सन् 2014 के शब्द हैं और डीजल 50 रुपए प्रति लीटर उपलब्ध होगा। ये बात कही इन्होंने जून, 2014 में और बार-बार दोहराते रहे, दोहराते रहे। सितंबर, 2018 में कहा कि सरकार एथनॉल उत्पादन के पांच संयंत्र स्थापित कर रही है, जहाँ लकडी का जा बुरादा होता उससे और म्युनिसिपल वेस्ट से एथनॉल बनाया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में राहत कैंप भी पानी में डूबा

नई दिल्ली, 04 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गुरुवार दोपहर तक यमुना नदी का पानी खतरे के निशान से सवा दो मीटर ऊपर तक पहुंच गया।

- यमुना का पानी खतरे के निशान से सवा दो मीटर ऊपर तक पहुंच गया है।

इसकी वजह से दिल्ली और नोएडा के कई इलाके डूब गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, मयूर विहार फेज-1 का राहत शिविर भी बाढ़ के पानी में डूब गया है। रिंग रोड, अलीपुर, बुराड़ी, मयूर विहार, रिंग रोड समेत कई इलाकों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। यमुना बाजार, सिविल लाइन्स समेत कई एरिया भी बाढ़ से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

यह मेरा है-यह तेरा है ऐसा संकीर्ण हृदय वाले मानते हैं। उदार चित्त वाले तो सारे संसार को एक कुटुंब समझते हैं। –हितोपदेश

क्या संविधान के अनुसार सांसद व विधायक पेंशन प्राप्त करने के अधिकारी नहीं हैं?

विधानसभा सदस्यों तथा संसद के सांसदों को वेतन व परिलब्धियां, भत्ता व पेंशन मिलती हैं। वेतन भत्ता व पेंशन अधिनियम, 1954 है। राजस्थान राज्य के अधिकारियों व विधायकों के वेतन भत्तों व पेंशन का अधिनियम, 1956 (Act No.6 of 1957) है। यहां यह उल्लेख करना समीचीन व आवश्यक है कि इन दोनों कानूनों में प्रारम्भ में जब ये बनाये गये पेंशन देने का कोई प्रावधान नहीं था। इनमें समय-समय पर संशोधन होते रहे हैं। राजस्थान राज्य ने अधिनियम के तहत् रूल्स बनाये हैं जो राजस्थान विधानसभा सदस्य नियम, 1977 हैं।

सेलेरीज एण्ड एलउन्सेज अधिनियम, 1954 को संशोधन किया गया और उसमें मेम्बर ऑफ पार्लियामेण्ट शब्दावली को जोड़ा गया। इसे नई धारा 8ए से जोड़ा गया, जिसके द्वारा पेंशन देने की व्यवस्था की गई। इसका स्पष्ट अर्थ था सांसदों को वेतन भत्तों के अतिरिक्त पेंशन भी प्राप्त होगी। पेंशन की रेट में कई बार संशोधन कर वृद्धि की गई।

राजस्थान में केन्द्र के अधिनियम, 1954 की भांति विधानसभा के अधिकारियों व विधायकों को वेतन व परिलब्धियों के साथ पेंशन दिये जाने का प्रावधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया। पेंशन का प्रावधान राजस्थान एक्ट नं. 17/2015 व संशोधन एक्ट 26/2017 से धारा 4क के रूप में जोड़ा गया। इस प्रावधान में यह व्यवस्था है कि 1 अप्रैल, 2019 से ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जो सदस्य 5 वर्ष तक की कालावधि के लिये निरन्तर या अन्यथा पांच वर्ष तक की कालवधि के रहा हो, उसे 35,000/-रूपये पेंशन दी जावेगी और उपर्युक्त पाँच वर्ष की कालावधि (टर्म) से अधिक पूरे टर्म के लिये हो तो 1600/-रूपये की अतिरिक्त पेंशन प्रतिमाह सदत्त की जावेगी। सदस्य 70 वर्ष की उम्र प्राप्त कर लेता है तो उसे 20 प्रतिशत तथा 80 वर्ष पर 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रावधान 4ख में कुटुम्बिक पेंशन की बात है। यदि विधानसभा 5 वर्ष से पहले विघटित कर दी गई हो तो भी अवधि कम होने पर भी पेंशन देने के हेतु अवधि को 5 वर्ष मान लिया जावेगा। यदि सांसद व विधायक कोई संवैधानिक पद धारण करता है तो पेंशन की अदायगी सस्पेंड रहेगी।

सांसद हो अथवा विधायक 5 वर्ष के कार्यकाल समाप्त होने पर एक साधारण नागरिक की भांति हो जाता है। वह पुनः चुनाव लड़ सकता है, विधायक/सांसद बन सकता है। विधायक/सांसद रिटायर नहीं होते। पेंशन को रिटायरल बेनीफिट कहा जाता है। अधिकारी व सांसद/विधायक में अन्तर है। अधिकारी कर्मचारी है; किन्तु सांसद/विधायक जनता द्वारा Elect किये जाते हैं। साधारण रूप से जिस व्यक्ति ने सरकारी नौकरी की है अथवा जिसे सरकारी संस्थानों में जिन्हें स्टेट कहा जाता है नौकरी की है और सेवा की शर्तों के अनुसार पेंशन की व्यवस्था है उन्हें पेंशन दी जाती है। विधायक व सांसद जैसा ऊपर कहा है, रिटायर नहीं होते हैं उनका केवल टर्म समाप्त होता है और वे चुनाव में जीतने पर पुनः सदस्य बन सकते हैं। नगरपालिका, पंचायत जैसे निकायों में भी चुनाव होते हैं यह चुनाव भी निश्चित अवधि में होते हैं। वहां भी सदस्य, रिटायर नहीं होते हैं वे पुनः चुनाव लड़ सकते हैं, वहां पेंशन का कोई प्रावधान किसी भी कानून में चाहे वह पंचायत एक्ट हो अथवा म्युनिसिपिलिटी एक्ट (अधिनियम) नहीं है। फिर क्यों विधायकों/सांसदों को पेंशन दी जावे? यह एक विचारणीय प्रश्न है, अतः हमें संविधान को देखना होगा, पढ़ना होगा उसका अध्ययन करना होगा कि क्या पेंशन का उपरोक्त प्रावधान जो उक्त कानूनों में संशोधन द्वारा जोड़ा गया है वह संवैधानिक है? साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि पेंशन किसे दी जावे, इसकी क्या व्यवस्था है? सबसे अधिक महत्व की बात यह है कि हमें पेंशन शब्द की जो परिभाषा संविधान के अनुच्छेद 366(1) में दी है, उसकी सही व्याख्या क्या है?

हम सब देश के नागरिक है, यहां लोकतंत्र है। देश के लोगों ने संविधान बनाया है। देश के संचालन के लिये, नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के लिये उनके गरिमा मय जीवन यापन के लिये, खाद्य, चिकित्सा, देश की सुरक्षा आदि के लिये फण्ड की आवश्यकता है जिसे टैक्स लगाकर ही पूरा किया जा सकता है। अतः सरकार के फण्ड का खर्च विवेकपूर्ण होना चाहिये और संविधान द्वारा मान्य भी। सरकार द्वारा दिये गये आंकडों के अनुसार सन् 2021-22 में उस वर्ष 25 करोड़ 95 लाख 47 हजार 400/-रूपये का पेंशन पर खर्च था।

> **सांसद हो अथवा विधायक 5 वर्ष के कार्यकाल समाप्त होने पर एक साधारण नागरिक की भांति हो जाता है। वह पुनः चुनाव लड़ सकता है, विधायक/सांसद बन सकता है। विधायक/सांसद रिटायर नहीं होते। पेंशन को रिटायरल बेनीफिट कहा जाता है। अधिकारी व सांसद/विधायक में अन्तर है। अधिकारी कर्मचारी है; किन्तु सांसद/विधायक जनता द्वारा Elect किये जाते हैं। साधारण रूप से जिस व्यक्ति ने सरकारी नौकरी की है अथवा जिसे सरकारी संस्थानों में, जिन्हें स्टेट कहा जाता है नौकरी की है और सेवा की शर्तों के अनुसार पेंशन की व्यवस्था है उन्हें पेंशन दी जाती है।**

लेखक, पाठकों का ध्यान आकर्षित करना चाहता है जो सबको झकझोर देगा कि विधायक को प्रत्येक विधानसभा के टर्म की राजस्थान में पेंशन दी जाती है। यदि कोई विधायक कई बार विधायक बनता है तो उसे उतनी ही बार की बढ़ी पेंशन मिलेगी। क्या इसका कोई औचित्य हो सकता है? यह पेंशन वर्तमान में दिनांक 1.4.2023 से 31,000/-रूपये प्रति माह है। हाँ, यदि वह दूसरे टर्म के हेतु चुनाव जीतकर सांसद बनता है तो उसे बेसिक पेंशन 31,000/-रूपये व अतिरिक्त पेंशन 5 वर्ष के टर्म लिये रू. 2,500 X 5 = रू. 43,500/- मिलेगी। सांसदों व विधायकों को वेतन के अतिरिक्त कई तरह के भत्ते दिये जाते हैं और फिर भी पेंशन। इनमें बढ़ोत्तरी होती रहती है जिसकी कोई सीमा नहीं है। राजस्थान में विधयक के दूसरे टर्म की पेंशन रू. 43,000/- है और प्रत्येक टर्म में अमर्यादित रूप से बढ़ जाती है।

आईये, इस पृष्ठभूमि में हम संविधान के परिप्रेक्ष्य में पेंशन को जो सांसद व विधायक प्राप्त कर रहे हैं उसका कानूनी परीक्षण करें।

संविधान के अनुच्छेद 106 में सांसदों को वेतन व भत्ते दिये जाने का प्रावधान है, जिनका निर्धारण व प्रबन्ध समय-समय पर अधिनियम बनाकर संसद करती है। इसी प्रकार विधायकों के वेतन व भत्तों के सम्बन्ध में संविधान के अनुच्छेद 195 के प्रावधान है। अधिनियम (एक्ट) के द्वारा वेतन व भत्ता दिया जाता है। इन दोनों प्रावधानों में पेंशन दिये जाने का कोई व्यवस्था नहीं है। इसका सामान्य भाषा में अर्थ है कि संविधान सांसदों व विधायकों को पेंशन देने के बाबत अधिनियम बनाकर मनमानी कानून बनाने की अनुमति नहीं देता।

उपरोक्त कथन को बल इससे भी मिलता है जब हम संविधान की सूची 1 की एन्ट्री 73 जो सांसदों के वेतन व भत्ते के बाबत कानून बनाने की अनुमति देता है। इसी प्रकार राज्य की सूची 2 की एन्ट्री 38 है जो विधायकों के भत्ते व वेतन के हेतु कानून बनाने की अनुमति देता है। सूची 1 की एन्ट्री 73 व सूची 2 की एन्ट्री 38, क्रमशः सांसदों व विधायकों को पेंशन देने की अनुमति नहीं देती है। अर्थ स्पष्ट है उपरोक्त दोनों कानून और उसमें हुये संशोधन अवैध, असंवैधानिक, अमान्य व शून्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने राजस्थान मंत्री वेतन संशोधन अधिनियम, 2017 के द्वारा राजस्थान मंत्री अधिनियम 1956 में संशोधन के द्वारा धारा 7 बीबी व धारा 11(2) जोड़कर पूर्व मुख्यमंत्री को आजीवन सरकारी आवास व 10 व्यक्तियों का स्टाफ व ड्राईवर की सुविधा प्रदान की गई थी, साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि मुख्यमंत्री ने अपने निर्धारित पांच वर्ष की अवधि पूरी नहीं भी की हो तो भी यह सुविधा उन्हें प्राप्त होगी। इस प्रावधान को राज्य के वरिष्ठ व यशस्वी पत्रकार मिलापचंद डांडिया ने एक पीआईएल रिट् याचिका में राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी जिसकी पैरवी प्रसिद्ध एडवोकेट विमल चौधरी ने की थी। यह याचिका दिनांक 4.8.2019 के आदेश से उच्च न्यायालय से स्वीकृत हुई और उक्त प्रावधान को अवैध करार दिया गया। माननीय उच्च न्यायालय ने प्रावधान को निरंकुश व औचित्यहीन करार दिया। इसके विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की गई, किन्तु उसे 6.1.2020 को एडमिशन स्टेज ही पर खारिज किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय की डीबी का उक्त निर्णय प्रस्तुत केस पर भी लागू होता है। यहाँ भी पेन्शन का प्रावधान निरंकुश, मनमाना अमर्यादित व समानता के सिद्धान्त के मूल अधिकार के विरूद्ध है। सांसदों, विधायकों, अधिकारियों को वेतन, भत्ता आदि दिये जाने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है; किन्तु जब इनका भुगतान संविधान की मर्यादा की सीमा लांघकर निरंकुश, विवेकशून्य और विभेदकारी हो कर फ्रीबीज व लूट का रूप धारण करता है तो जनता का विरोध करना स्वाभाविक है।

सुप्रीम कोर्ट ने डी.एस. नकारा बनाम भारत संघ (1983) 1 एसएससी 305 के केस में यह विचार अभिव्यक्त किया है कि पेंशन चेरिटी नहीं है अपितु कर्मचारी द्वारा जीवन में की गई मेहनत का फल है। यह रिटायरमेंट के बाद दिया गया एक अधिकार है सांसद रिटायर नहीं होते। यह स्वीकृत सिद्धान्त है कि पेंशन सोशल सिक्यूरिटी है, जबकि सांसद अपने टर्म की समाप्ति पर (जो 5 वर्ष की अवधि का होता है) रिटायर नहीं होते अपितु संसद की सीट रिक्त होती है और वह सदस्य की निरर्हता (Disqualification) अनुच्छेद 101 में मानी जाती है। वह स्थान चुनाव द्वारा भरा जाता है। सांसद को दुबारा चुनाव में खड़ा होने का अधिकार होता है। पेंशन अधिक आयु होने पर रिटायर होने पर दी जाती है। विधायकी रिटायर नहीं होती उनकी सीट अनुच्छेद 190 के अनुसार रिक्त होती है सदस्य की निरर्हता का प्रावधान अनुच्छेद 191 के अनुसार होती है। सदस्य यदि लाभ का पद धारण करता है तो वह निरर्हित होगा। पेंशन पाना लाभ का पद है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय जो कॉमन कॉज एक पंजीकृत सोसाइटी है उसमें सांसदों की पेंशन की वैधनिकता का प्रश्न उठाया गया था; किन्तु लेखक का अपना स्वतंत्र विचार है वह निर्णय Precedent नहीं है; क्योंकि उसमें पेंशन शब्द की मूल परिभाषा जो संविधान के अनुच्छेद 366(17) में दी है, उसका उल्लेख ही नहीं है। परिभाषा के अनुसार पेंशन का आधार सेवानिवृत्त वेतन है।

अतः लेखक का मत है कि सांसद व विधायक पेंशन के अधिकारी नहीं है। सेलेरीज एण्ड एलउन्सेज व पेंशन ऑफ पार्लियामेंट अधिनियम, 1954 तथा राजस्थान विधानसभा के अधिकारियों और सदस्यों के वेतन, भत्ता व पेंशन अधिनियम (एक्ट नं. 26/2017) असंवैधानिक, अवैध व निरंकुश, औचित्य शून्य होने से प्रभाव शून्य है तथा निरस्तनीय है। जब विधायकों को दी जाने वाली पेंशन ही असंवैधानिक है फिर अतिरिक्त टर्म की पेंशन तो न केवल विवेक व औचित्य शून्य है अपितु अनैतिक भी है।

यही प्रश्न एक जनहित याचिका (पिटीशन नं. 19134/2022) मिलापचंद डांडिया बनाम राजस्थान राज्य व अन्य के नाम से राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में विचाराधीन है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

शिक्षक ज्ञान के वाहक ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों के निर्माता भी हैं

वासुदेव देवनानी

भारत की सनातन सभ्यता में गुरु-शिष्य परंपरा सदैव अत्यधिक प्रतिष्ठित रही है। शिक्षक, चाहे वह प्राचीनकालीन गुरु की भूमिका में हो या वर्तमानकालीन अध्यापक की भूमिका में, न केवल ज्ञान के वाहक हैं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक नैतिकता, व्यक्तिगत वराष्ट्रीय चरित्र तथा जीवन-मूल्यो के निर्माता भी हैं। हालाँकि आज हम वार्षिक रूप से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाते हैं, किन्तु यह उत्सव केवल एक तिथि मात्र नहीं, बल्कि शिक्षक के महत्व और उनके योगदान को याद करने का एक अवसर है। प्राचीन गुरुकुल प्रणाली से वर्तमान विद्यालयी परम्परा तक शिक्षक की भूमिका मेंक्रमिक परिवर्तनों के बावजूद भी यह एक पवित्र पद माना जाता रहा है।

प्राचीन भारत में प्राथमिक शिक्षण संस्थानों से अधिक केंद्रित रूप था गुरुकुल-जहाँ शिष्य गुरु के आश्रम में निवास करते, न केवल अकादमिक विद्या सीखते, बल्कि जीवनशैली का भी अभ्यास करते थे। इसमें गुरु और शिष्य के बीच गहरा संबंध था, जो केवल पढ़ाई तक सीमित न होकर चरित्र निर्माण, आत्म नियंत्रण और नैतिक शिक्षा से जुड़ा था। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली की मूल पद्धितयों में शामिल थे- श्रवण (गुरु की वाणी को सुनना), मनन (उस पर बातचीत और चिंतन करना), निदिध्यासन (गहन ध्यान और आत्मसात करना)। वस्तुतःज्ञान केवल याद रखने या समझने की क्षमता ही नहीं अपितु आंतरिक अनुभूति और आत्म साक्षात्कार भी था।

भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर तुल्य माना जाता रहा है। गुरु की महत्ता, गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः। गुरु साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः।।, श्लोक से स्पष्ट है जहां उन्हें दिव्यता, मोक्ष और मार्गदर्शन का स्त्रोत माना जाता है। भारतीय इतिहास परम्परा में गुरु वशिष्ठ, विश्वामित्र वाल्मीकि, संदीपनी, गुरु धौम्य, वेदव्यास, कश्यप, अष्टावक्र, याज्ञवल्क्य, गुरु द्रोणाचार्य जैसे महान सुधीजन प्रसिद्ध है वही भारतीय इतिहास में कौटिल्य जैसे गुरु भी हुए है जिन्होंने अखंड भारत निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विदित है कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता है, प्रलय व निर्माण उसकी गोद में पलते है।

प्राचीन विश्वविद्यालय जैसे तक्षिशला, नालंदा व विक्रमशिला में शिक्षक स्वतंत्र रूप से काम करते थे, अपनी पाठशाला चलाते थे और गुरुदक्षिणा की स्वीकारोक्ति पर आधारित व्यवस्था थी, जो अक्सर प्रतीकात्मक होती थी। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि ज्ञान का अंतरण और समाजनिर्माण था।

गुरुकुल और गुरुशिष्य प्रणाली में शिक्षा केवल तकनीकी या अकादमिक नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न आयामों-संस्कार, आत्मअनुशासन, आध्यात्मिकता, नैतिकता को समाहित करती थी। यह शिक्षा आत्मनियंत्रण और चरित्र निर्माण पर केंद्रित थी।

संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन में गुरु मुख्य भूमिका में रहे है। वेद, उपनिषद, दर्शन, धार्मिक कर्मकांड, जीवनशैली का आदान-प्रदान इत्यादि अनेक दृष्टांत है जिसके द्वारा भारतीय संस्कृति और मूल्यों को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखने में शिक्षक अग्रणी रहे है। इसके साथ ही यह जानना भी आवश्यक हो जाता है कि सनातन व्यवस्था में स्त्री शिक्षा पर भी उतना ही बल दिया गया जितना पुरुष शिक्षा पर। इसके अंतर्गत वैदिक कालीन विदुषीया दृष्टांत रूप में प्रस्तुत की जा सकती है। गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, विश्ववारा, अपाला जैसी विदुषीया वैदिक ऋचाओं की सृजक व आध्यात्मिक चेतना पर संवाद स्थापित करने वाली रही। मध्यकालीन भारत में विदेशी आक्रमणकारियों के कारण स्त्री शिक्षा में गिरावट अवश्य आयी, किंतु मीराबाई, संत अक्का देवी, सहजोबाई जैसी सांस्कृतिक शिक्षिकाएं हुई जिन्होंने समाज को भक्ति व आत्मानुशासन दिया। पुनर्जागरण काल में सावित्री बाईपहले, रमा बाई, जैसी शिक्षिकाओं ने नारी पुनर्चेतना में अभूतपूर्व योगदान दिया।

आधुनिक समय में परंपरागत गुरुकुल मॉडल का पुनरुद्धार हो रहा है- जैसे नागपुर में श्री वेदविद्यावर्धिनी गुरुकुलम्, जहाँ वेद, संस्कृत, धर्मशास्त्र, योगध्यान और आचार संस्कार पढ़ाए जाते हैं, और शिक्षा गैरवाणिज्यिक दृष्टिकोण पर आधारित है। गुरुकुलों का पुनरुत्थान गहन आंतरिक विकास की दिशा में एक सांस्कृतिक पहल है, जो व्यावसायिकता से अलग सांस्कृतिक पुनर्चेतना व गौरवशाली इतिहास की पुनर्स्थापना का माध्यम है।

वर्तमान संदर्भ के अंतर्गत भारत में शिक्षक दिवस प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है-जो डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की जयंती है। डॉ. राधाकृष्णन् स्वयं एक शिक्षाविद, दार्शनिक और विद्वान थे। वे भारतीय ज्ञान परम्परा व दर्शन के संवाहक थे। जब डॉ. राधाकृष्णन से उनके विद्यार्थियों ने उनके जन्मदिवस की धूमधाम से मनाने का आग्रह किया तो नैतिकता से परिपूर्ण सरल व सहजस्वभाव के धनी डॉ. साहब ने कहा कि यह दिवस पूरे देश के शिक्षकों के सम्मान में मनाया जाना चाहिए।

गुरुकुलों का पुनरुत्थान, और गुरुशिष्य संबंध का मौलिक स्वरूप आज की शिक्षा को वैल्यू आधारित दृष्टिकोण से समृद्ध बनाता है। शिक्षक केवल ज्ञान का संचरण नहीं करते, बल्कि संस्कृति, संवेदना, और मूल्य उत्थान का सुअवसर प्रदान करते है। शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि देश और समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक युग्म का आधार है।

यह दिन हमें शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। आज की भौतिकवादी प्रवृत्ति व पाश्चात्य शिक्षा के प्रभुत्व के दौर में एक शिक्षक का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। अब शिक्षक एक विषय विशेषज्ञ ही नहीं अपितु कुशल मार्गदर्शक, नेतृत्वकर्ता और सुसंस्कृत व नैतिक मूल्यों की स्थापना करने वाले की भूमिका में है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तित्व निर्माण व मूल्य आधारित दृष्टिकोण विकसित करने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। ऑनलाइन शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व डिजिटल युग में जहां मशीनी प्रवृत्ति का विकास हुआ है, वही एक शिक्षक की भूमिका भी बहुआयामी व चुनौतीपूर्ण हो जाती है कि किस प्रकार वह मूल्य आधारित शिक्षा की स्थापना कर मार्गदर्शक व प्रेरणास्त्रोत के रूप में प्रकाश पुंज की तरह विद्यार्थियों के समस्त मानसिक, सांस्कृतिक विकारों को दूर कर एक सुशिक्षित, सुसंस्कृत व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास करे ताकि भारत की आने वाली पीढ़ी अपने सामाजिक- सांस्कृतिक- आध्यात्मिक मूल्यों को अंगीकृत व आत्मार्पित कर सके।

निष्कर्षतः गुरु-परंपरागत भारतीय शिक्षा प्रणाली के नायक और संस्कृति के संरक्षक रहे हैं। गुरुकुल शिक्षा में ज्ञान और आत्मविकास का समन्वय था; आधुनिक शिक्षा में शिक्षक न केवल अकादमिक ज्ञान देते हैं, बल्कि वे नैतिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक विकास के मार्गदर्शक भी हैं। 5 सितंबर, शिक्षक दिवस के रूप में, हमें यह स्मरण कराता है कि हमारे समाज की नींव और संस्कृति की समृद्धि में शिक्षक कितना अहम योगदान देते आए हैं। इस सम्मानपूर्ण प्रक्रिया को बनाए रखना और भविष्य में शिक्षकों को सम्मान और प्रेरणा का स्त्रोत बनाना, यही हमारे लिए सर्वोपरि कर्तव्य है। यह दिवस मात्र शिक्षकों को धन्यवाद देने के रूप में ही नहीं वरन् गुरु- शिष्य के आत्मिक बंधन को सुदृढ़ करने का दिन भी है दिन भी है। साथ ही यह संकल्प लेने का दिन भी है कि यदि राष्ट्र को समृद्ध, सशक्त बनाना है तो शिक्षकों के सम्मान के साथ उनके नैतिक दृष्टिकोण को भी अपनाना है।

-वासुदेव देवनानी,
विधानसभा अध्यक्ष,
राजस्थान

"शिक्षक दिवस" पर एक बेबाक विश्लेषण

राजेन्द्र भाणावत

इस आलेख का प्रारंभ मैं उस घटना से करना चाहता हूं जो मुझे मेरे पिताजी ने साठ के दशक में सुनाई थी जब मैं 15 साल का था। यह बता दूं कि मेरे पिता उदयपुर के महाराणा भोपाल कॉलेज, जो उसे समय इंटर कॉलेज हुआ करता था, में गणित विषय के विख्यात शिक्षक थे। एक बार उन्हें किसी परिचित के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया के उदयपुर स्थित आवास पर जाने का अवसर मिला। जैसे ही पिताजी ने अपना परिचय सुखाड़िया जी को देना प्रारंभ किया तो उन्होंने तत्काल खड़े होकर न केवल उनका अभिवादन किया अपितु यह कहा कि-"मैं तो आपको अच्छी तरह से जानता हूं"। इस प्रकार के सम्मान की कल्पना क्या आज कोई शिक्षक कर सकता है?

मुझे याद है जब पिता जी की आयु लगभग 80 वर्ष की हुई तब उनके शिष्य जो लगभग 70-75 वर्ष के रहे होंगे, वे जब उनसे मिलने आते थे, तो उनके चरण स्पर्श कर आदर व्यक्त करते थे। इस प्रकार का रिश्ता शिक्षक और शिक्षार्थी में हुआ करता था, जिसे देखने का सौभाग्य मुझे मिला। शायद इसी भावना से वे सभी लोग सहमत होंगे जिन्होंने 1950 से 1970 के बीच विद्यालय में अध्ययन किया था।

आज जब हम शिक्षक दिवस मना रहे हैं तो हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि शिक्षकों की स्थिति समाज में अब वैसी क्यों नहीं है? क्यों आज समाज में शिक्षकों की वह प्रतिष्ठा नहीं रही एवं क्यों सर्वाधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी शिक्षक नहीं बनना चाहते?

सरकार यह कह सकती है कि वह प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करती है। किंतु यह एक सच्चाई है कि शिक्षकों के ऊपर स्थानांतरण की तलवार सदैव लटकाकर रखी जाती है। उनके साथ किस प्रकार का अपमानजनक और उपेक्षा पूर्ण व्यवहार शिक्षा प्रशासक और मंत्री गण करते हैं, यह सर्व विदित है। शिक्षकों का अधिकांश समय केवल आंकड़े भरने में और वह सब करने में बीतता है जो शिक्षा से कतई संबंधित नहीं है। शिक्षा विभाग में स्थानांतरण को तो तबादला उद्योग तक कहा जाता है।

सामान्यतः समाज, शिक्षक और शिक्षार्थी का संबंध जीवन पर्यन्त होता है। यह तभी संभव है जब शिक्षक निरंतर एक ही स्थान पर रहे। तब लगातार जुड़ रहे और उसका और विद्यार्थियों का भविष्य भी जुड़ा रहेगा।

शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कितनी दूर हो गई है, यह समझने के लिए मुझे उदयपुर विद्या भवन के बुनियादी शिक्षा के प्रसिद्ध शिक्षक दयालचंद जी सोनी का स्मरण हो रहा है। दयाल जी 'माड़साब' की शिक्षा की दृष्टि सर्वांगीण विकास की थी और उनकी जीवन दृष्टि गांधी और विनोबा से प्रेरित थी। उनके अनुसार मैकाले की शिक्षा पद्धित का एक ही उद्देश्य था- शोषित, वंचित तथा शासित वर्ग से निकल कर शासक, संपन्न एंड शासक वर्ग में सम्मिलित होना। इसे उन्होंने 'वर्गोदय' शिक्षा का नाम दिया जबकि आवश्यकता सर्वोदयी शिक्षा की थी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा कैसी और क्या हो यह समाज के साथ संवाद पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने अपनी बात एक शिक्षार्थी के मुंह से लंबी कविता के रूप में कहलाई थी। यही मेवाड़ी में है जिसका शीर्षक था है "म्हूं अणभणियो शिक्षित हूं", जिसका अर्थ है "मैं बिना पढ़ा-लिखा शिक्षित हूं"। शिक्षा के मूल मर्म को समझने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह पुस्तिका अवश्य पढ़नी चाहिए। इस कविता के भाव को आज यहां पाठकों के साथ साझा करने का मन कर रहा है। दयाल जी ने यह स्पष्ट किया कि स्कूल जाना और शिक्षा प्राप्त करना एक समान नहीं है। उन्होंने इस कविता में यह चिंता व्यक्त की कि यदि अंग्रेजों के द्वारा दी गई शिक्षा व्यवस्था इसी प्रकार हमने जारी रखी और स्कूलों को ही शिक्षा का पर्याय मान लिया तो देश में देश की प्रगति संभव नहीं है। उनके अनुसार हम बच्चों को केवल 'स्कूलित' कर रहे हैं न कि शिक्षित। जब तक शिक्षा मानव के लिए बहुत आवश्यक गुण जैसे सदाचार, सहकार, संवेदनशीलता, आदि के गुण विद्यार्थियों में विकसित नहीं कर सके तो उसे शिक्षा नहीं कहा जा सकता। दयाल जी उन 18 ग्रामीण शिक्षा विदों में शामिल थे जिन्हें 1954 में डेनमार्क की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने हेतु भेजा गया था। आज आवश्यकता है उनके विचारों पर संवाद करने की और उन्हें हमारी शिक्षा व्यवस्था में स्थान देने की, ताकि हमारी शिक्षा समाज और देश के लिए अधिक उपयोगी नागरिक तैयार कर सके।

उनका यह भी मानना था कि शिक्षा विद्यालय के बाहर भी होती है घर में भी होती है और वातावरण से भी वह ग्रहण करता है। शिक्षक का कार्य विद्यार्थी को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना होना चाहिए जिसमें वह जिज्ञासु बन सके और अपनी जिज्ञासाओं का उत्तर ढूंढने के लिए खोजी प्रवृत्ति उसमें विकसित हो। क्या हम इस प्रकार का शिक्षक आज तैयार कर रहे हैं? खेद का विषय है कि ऐसा नहीं हो रहा है। अधिकांश शिक्षक आज विद्यार्थियों को केवल कुंजियों या पासबुक के माध्यम से कुछ उत्तर रटकर परीक्षा में उत्तीर्ण होने के नुस्खे बताने तक सीमित रह गए हैं। जब विद्यार्थी केवल गुटके या पासबुक पढ़कर परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे तो वह किस प्रकार के युवा बनाकर के निकालेंगे, इसका नमूना हम देख ही रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे उचित - अनुचित तरीकों से परीक्षा पास करना ही उनका एकमात्र उद्देश्य रह गया है चाहे वह स्कूल, कॉलेज की परीक्षा हो या फिर कोई प्रतियोगी परीक्षा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका को अच्छी तरह रेखांकित किया गया है, किंतु उसके लिए आवश्यक है कि सरकार संसाधनों की कमी का बहाना छोड़कर नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए पर्याप्त मानव और वित्तीय एवं मानव संसाधन उपलब्ध कराए। शिक्षा को समुदाय केंद्रित बनाएं। जब तक समाज और शिक्षा एक दूसरे से जुड़े नहीं रहेंगे तब तक 'ड्रॉप आउट' की समस्या बनी रहेगी।

बाल श्रमिकों के लिए अनौपचारिक शिक्षा की जो व्यवस्था थी, उसे बहुत पहले ही बंद कर दिया गया है। इसका कारण यह बताया गया कि "जो विद्यार्थी स्कूल में नहीं है वह बाल श्रमिक है"। इसका परिणाम यह हुआ की छात्रा प्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालय में कर दिया गया यह ध्यान नहीं रखा गया कि केवल नामांकन करने से बच्चे शिक्षित नहीं होते। बाल श्रम आज भी देश की वास्तविकता है। अनौपचारिक शिक्षा को बेहतर करने के स्थान पर इसे बंद करके हमने एक बहुत बड़े निर्णतम वर्ग को शिक्षा से ही वंचित कर दिया है। इसका परिणाम यह हुआ कि बाल श्रमिकों के लिए शिक्षा का एक वैकल्पिक साधन उपलब्ध था वह भी समाप्त हो गया है।इस प्रकार एक बाल श्रमिकों की फौज बड़ी होकर निरक्षर ही रहेगी।

यदि हम शिक्षकों का वही पुराना सम्मान लौटना चाहते हैं हमें आज शिक्षक दिवस के अवसर पर यह संकल्प लेना होगा कि हम शिक्षा को तंत्र से मुक्त करें। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएं और तबादले की तलवार से मुक्त रहें। उन्हें अनावश्यक रूप से शिक्षा अधिकारियों और मंत्रियों के दरवाजों पर चक्कर लगाने हेतु बाध्य न होना पड़े। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण व्यवस्था में भी आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

आइए हम सब शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा की मूल धारणा पर गंभीरता से चिंतन करें और यह विचार करें कि कैसे शिक्षकों की खोई हुई गरिमा को पुनः लौटाया जाए। इस दिशा में सरकार, समाज और शिक्षक, सबको मिल बैठ कर मंथन करना होगा। तब ही शिक्षा वास्तव में सामाजिक बदलाव का माध्यम बन पाएगी।

शिक्षक दिवस पर राज्य के सभी शिक्षकों को मेरी ओर से शत-शत नमन एवं अभिनंदन!

-राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राशिफल शुक्रवार 5 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र रात्रि 11:38 तक, शोभन योग दिन 1:53 तक, कौलव करण दिन 3:41 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थसिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 11:38 तक है। रवियोग रात्रि 11:38 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, गोत्रि रात्रि व्रत आरम्भ होगा। आज डा.राधाकृष्ण जयन्ती, शिक्षक दिवस है। आज ईद-ए-मिलाद (बारावफात) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ-अमृत 7:45 से 10:52 तक, शुभ 12:26 से 1:59 तक, चर 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:40

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

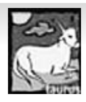

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

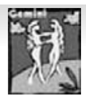

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक परेशानियां दूर होने लगेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरण

- संगठन सचिव जीवनसिंह चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया

अजमेर, (कासं)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा अजमेर द्वारा बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए एक विशेष राहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से आरम्भ हुआ, जिसमें अजमेर शहर एवं आसपास के उन बस्तियों के परिवारों को आवश्यक राहत सामठाी वितरित की गई जो हाल ही में आई भारी वर्षा और बाढ़ के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

संगठन सचिव जीवनसिंह चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पिछले कुछ दिनों से अजमेर जिले में लगातार हुई बारिश के चलते कई निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति बनी रही। इस प्राकृतिक आपदा के कारण विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब परिवार सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। उनके घरों में पानी घुसने से दैनिक उपयोग की वस्तुएं नष्ट हो गईं और जीवन-यापन में कठिनाई उत्पन्न हो गई। ऐसे में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी ने तत्परता दिखाते हुए राहत सामठाी वितरण का बीड़ा उठाया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभावित परिवारों को किचन सेट एवं तिरपाल सेट प्रदान किए गए। इन सेटों में दैनिक जीवन की आवश्यक सामठाी जैसे बर्तन, थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच, बाल्टी, मग आदि उपलब्ध कराए गए। इसका उद्देश्य बाढ़ से पीड़ित परिवारों को पुनः सामान्य जीवन की ओर अठासर करना तथा उनके भोजन-पानी की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करना था।

इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन हरिनारायण सोमानी ने बताया कि मानव सेवा ही संगठन का मूल उद्देश्य है। आपदा और विपत्ति की घड़ी में रेड क्रॉस सदैव समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के साथ खड़ा रहता है। संस्था ने शहर के विभिन्न इलाकों में जाकर पीड़ित परिवारों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और उसी के अनुसार राहत सामठाी का वितरण किया।

राज्य स्तरीय सी.आर.ई. प्रशिक्षण सम्पन्न

- राज्य के 193 विशेष शिक्षकों ने यूनिर्वसल डिजाइन फॉर लर्निंग सिद्वान्त को समझा
- भारतीय पुनर्वास परिषद् नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त दो दिवसीय राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सी.आर.ई.) कार्यक्रम प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया

अजमेर,(कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल चाचियावस एवं भगवन्त यूनिर्वसिटी अजमेर के द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय पुनर्वास परिषद् नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त दो दिवसीय राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा (सी.आर.ई.) कार्यक्रम प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।

भगवन्त यूनिवर्सिटी सभागार में आयोजित इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय सी.आर.ई. कार्यक्रम प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रो. वी के शर्मा वाइस चांसलर भगवन्त यूनिवर्सिटी की अध्यक्षता एवं अजमेर शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी के मुख्य आतिथ्य में हुआ तथा यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार डॉ. बी के अम्बाष्टा, विक्रम सिंह राठौर, मुख्यकार्यकारी क्षमा आर. कौशिक, निदेशक राकेश कुमार कौशिक, रिसार्स पर्सन शुभा चन्द्र शेखर, उप निदेशक डॉ. भगवान सहाय शर्मा आदि ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दी तथा राज्य के 143 सी.आर.ई. पंजीकृत विशेष शिक्षकों सहित 193 प्रतिभागियों ने भागीदरी ली।

प्रशिक्षण में सन्दर्भ्य व्यक्ति डॉ. भगवान सहाय शर्मा व ईश्वर शर्मा के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद्, दिव्यांगजन अधिकार अधिनिय 2016 तथा इसके मुख्य प्रावधानों एवं 21 प्रकार की विकलांगताओं के बारे में जानकारी दी। रिसोर्स पर्सन शुभा चन्द्रशेखर ने अपने सत्र में यूनिवर्सल डिजाइन फॉर लर्निंग सिद्वान्त के विभिन्न पहलुओं एवं विशेष शिक्षको के लिए इसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समापन सत्र में मुख्य अतिथि आयुष वशिष्ठ उप पुलिस अधीक्षक अजमेर तथा विशिष्ठ अतिथि बी.के. अम्बाष्टा रजिस्ट्रार भगवन्त यूनिवर्सिटी अजमेर, संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी क्षमा आर. कौशिक ने सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरण किया। संस्था के संयुक्त निदेशक अनुराग सक्सेना, अतिरिक्त निदेशक तरूण शर्मा, लेखाधिकारी नेमीचन्द वैष्णव, पदमा चौहान, मयंक रंगा, सरोज शर्मा, बरखा गहलोत आदि ने सहयोग किया।

अजमेर व्यापारिक महासंघ ने की वित्त से मांग : अजमेर में श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने कई वर्षो से कपड़े, फुट वियर, खाद्य सामठाी और इन्श्योरेन्स पर जीएसटी समाप्ति की मांग की जाती रही है। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के तत्वावधान में 25 फरवरी को भी पदाधिकारियों ने अध्यक्ष महेन्द्र बंसल के नेतृत्व में केन्द्रीय भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यन्त गौतम के अजमेर आगमन पर बजट परिचर्चा के दौरान ज्ञापन के सौंपकर मांग की थी।

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक :न.नि.अ/भवन/25-26/261 **आपत्ति सूचना** दिनांक :03/09/25

श्रीमती फेहमीदा चिश्ती पत्नी सैयद तोफिक चिश्ती निवासी 101/06 मामू भांजा गली खादिम मौहल्ला अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति ए.एम.सी. नं. 05/360= 360/34=308 का भाग जो वाके खादिम मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 62.34 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व : सम्पत्ति श्री आशिक अली की — पश्चिम : 07 फुट चौड़ी आम गली

उत्तर : 13 फुट चौड़ी लंगरखाना गली — दक्षिण : 03 फुट गली जिसके पश्चात अन्य की सम्पत्ति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-(अजमेर) (राज.)

क्रमांक :न.प.कि./भूमि/2025/6570 **आम सूचना** दिनांक: 03/09/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सायरी चौधरी पत्नी श्री भंवर लाल ने 69-क के तहत पट्टा चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो कि गंवारियों का मौहल्ला, महावीर कॉलोनी मदनगंज किशनगढ़ में स्थित भूखण्ड/परिसर कुल क्षेत्रफल 128.95 वर्गगज है जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से है-

पूर्व : आम रास्ता — पश्चिम : 12.09 आम रास्ता

उत्तर : श्री पूरणमल जी का मकान — दक्षिण : श्री श्रवण जी का मकान

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में प्रस्तुत करे बाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति/ऐतराज मान्य नही होगा। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

-प्रभारी अधिकारी, भवन निर्माण स्वीकृति, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-(अजमेर) (राज.)

क्रमांक :न.प.कि./PWC/BPAS-2454/2025/673 **आम सूचना** दिनांक: 04/09/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नारायण प्रजापति पुत्र श्री मनोहरलाल राजस्व ग्राम मदनगंज, खसरा सं. 616/1, 616/2, 620/1, 620/2 भूखण्ड सं. बी-45-बी के कुल क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज 'बी.एल.जी. नगर' खोड़ा गणेश जी रोड मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान में आवासीय निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व : 30 फीट का रास्ता — पश्चिम : इसी भूखण्ड का शेष भाग

उत्तर : भूखण्ड सं. बी-46 — दक्षिण : 40 फीट का रास्ता

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में प्रस्तुत करे बाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति/ऐतराज मान्य नही होगा। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

-प्रभारी, भवन निर्माण स्वीकृति, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद, पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

क्रमांक/नपपु./भूमि/2025/1660 **उजरदारी सूचना** दिनांक-26/8/2025

निम्न आवेदक ने अपनी खरीदशुदा/आवंटित/बख्शीसशुदा सम्पति के भवन निर्माण स्वीकृति हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	सम्पति का विवरण	चतुर्थ सीमा	
1	श्री सिद्धार्थ डोल्या पुत्र श्री दिनेश कुमार शर्मा	आवासीय प्लाट/मकान वाके वराह गली,छोटी बस्ती पुष्कर क्षेत्रफल 66.34 वर्गगज	पूर्व- श्री छोटूखान व ध्रुवनारायण भवानी का मकान पश्चिम- श्री हजारीमल छोगालाल कन्दोई का मकान	उत्तर- गली दक्षिण- आम रास्ता

-आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

अजमेर में ऊर्जा कुशल उपकरणों के उपयोग पर जागरुक किया

- ग्रीनट्री ग्लोबल वित्तीय सलाहकार कार्यक्रम में मौजूद रहे

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम एवं ग्रीनट्री ग्लोबल द्वारा गुरुवार को होटल लेक विनोरा में डीएसएम लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ऊर्जा दक्षता ब्यूरो विद्युत मंत्रालय के डिस्कॉम की क्षमता निर्माण के अंतर्गत डीएसएम उपायों के कार्यान्वयन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को ऊर्जा कुशल उपकरणों के उपयोग एवं सौर ऊर्जा अपनाने हेतु जागरूक करना था। ग्रीनट्री ग्लोबल इस परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी के रूप में कार्यरत है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा, निदेशक तकनीक बीसी बाल्दी, चीफ इंजीनियर अशोक कुमार, एम एल मीना, अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजी वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्रीनट्री ग्लोबल के माध्यम से किया गया। ग्रीनट्री ग्लोबल वित्तीय सलाहकार एवं तकनीकी सलाहकार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अलावा ऊर्जा दक्ष उपकरणों से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

इन विषयों पर हुई मुख्य चर्चाः- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की रणनीतियां एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को इसमें शामिल करने के प्रयास। ऊर्जा दक्ष उपकरणों पंखे, एसी व अन्य उपायों के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन। औद्योगिक क्षेत्र में के माध्यम से ऊर्जा दक्षता सुधारने की संभावनाओं, सौर विक्रेताओं ओईएमएस के साथ संवाद, उनकी चुनौतियों एवं समाधान पर विस्तृत चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में ठाीनट्री ग्लोबल के ऊर्जा विशेषज्ञ डॉ. सीएस आज़ाद ने औद्योगिक क्षेत्रों में सौर ऊर्जा अपनाने की संभावनाओं और एमएसएमईएस द्वारा डीएसएम के लिए चलाई जा रही ऊर्जा कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। डीएसएम के उपायों के सफल कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ और ऊर्जा दक्षता एवं सतत विकास को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा।

'गुरु द्वारा दिया गया मार्गदर्शन जीवन पर्यंत काम में आता है'

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रिश्चियन गंज के 20 शिक्षकगणों का सम्मान करते हुए क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने कहा कि एक शिक्षक ही होते है जो बचपन से ही छात्र छात्राओं का मार्ग प्रशस्त करते है जिससे विद्यार्थी की नींव मजबूत होती है कर्णावट ने इस अवसर पर गुरु गोविंद दोनो खड़े काकू लागे पाय, बलिहारी गुरु आपको गोविंद दियो बता का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम संयोजक लायन सुनीता वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर,माल्यार्पण करते हुए लायंस सर्टिफिकेट प्रदान किया साथ ही सभी को स्मृति चिन्ह देते हुए उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं को नमन किया।

शिक्षकों का सम्मान समारोह

- तैयार नहीं कराते बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की राह दिखाते हैं।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा अजयमेरू की ओर से गुरुवार को शिक्षक दिवस पर विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों का सम्मान किया गया। सेंटर गर्ल्स बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय और फॉयसागर बालिका विद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रमों में शिक्षकों को पैन कॉपी और दुप्पटा पहनाकर सम्मानित किया गया।

पुष्पमालाएं व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानितः- उपशाखा अजयमेरु के अध्यक्ष रोहिताश कुमार सारस्वत ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते बल्कि नैतिक मूल्यों और संस्कारों का संचार कर नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के योग्य बनाते हैं। आज के समय में शिक्षा के स्वरूप में बदलाव के बीच शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है,वे विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी नहीं करातेए बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की राह दिखाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने आ ान किया कि समाज को शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सभी स्तरों पर प्रयास होने चाहिए। शिक्षक ही राष्ट्र की प्रगति और भविष्य के सशक्त स्तंभ हैं। कार्यक्रम में भगवान सिंह गौड़, भारत सिंह पवार, बलराज सिंह चौहान, राजेंद्र प्रसाद सारस्वत एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

विभिन्न विभूतियों का अजमेर रत्न से होगा सम्मान

अजमेर, 4 सितम्बर (कासं)। आप-हम एवं सपना संस्था के संयुक्त तत्वावधान में अजमेर का पहला और सबसे बड़ा बच्चों का 21वाँ एबीइएन फेस्टिवल का आगाज़ 08 सितम्बर को सूचना केन्द्र के सभागार में होने जा रहा है। जिसमें फिल्म व रंगमंच कलाकार नीरज कड़ेला व कहानीवाला रजत के नाम से प्रसिद्ध आर जे रजत मेंघनानी समारोह में विशेष रूप से रहेगें।

समारोह संयोजक नरेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अभिनेत्री, निर्देशक, मंच सज्जा आदि के अवार्ड बच्चों व अध्यापकों को दिये जायेगें व सर्वश्रेष्ठ नाटक को स्वर्गीय कमला देवी भारद्वाज व स्वर्गीय जी आर भारद्वाज चल वैजयन्ती प्रदान की जायेगी। सप्तक संस्था की ओर से नाट्य विद्या के लिए समर्पित कलाकार को भरतमुनि सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

भारी बारिश से किसानों की फसलें व चारा बर्बाद

- पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने उठाई किसानों की पीड़ा

अजमेर, (कासं)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने भारी बरसात से किसानों की फसलों और चारे के हुए नुकसान के लिए राज्य सरकार से विशेष पैकेज दिए जाने का आठाह किया है। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने अजमेर दौरे के दौरान केकड़ी इलाके के बोराडा व सरवाड़ सहित आसपास के गांवों का दौरा किया और किसानों से मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने फसलों व चारा की बर्बादी बयां की। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सहित अजमेर जिले में भारी बारिश से किसानों की खड़ी फसलों को भरी नुकसान हो गया है।

इस बारिश से किसानों पर दोहरी मार पड़ी है। किसानों की तीन बार बोई हुई फसलें नष्ट हो गई है, उन्होंने कहा कि लगातार हों रही बारिश अजमेर के किसानों के लिए आफत बनकर सामने आई है और किसानों का जीवन संकट में आ गया है। ऐसे मेरी राज्य सरकार के मुख्य मंत्री भजनलाल और केंद्रीय किसान कल्याण व कृषि राज्यमंत्री से विशेष मांग है कि किसानों की बर्बाद हुई फसलों व चारा खराबी की तत्काल गिरदावरी रिपोर्ट तैयार करवाए और इस भीषण आपदा में किसानों को अतिशीघ्र राहत प्रदान करे। राज्य सरकार किसानों के लिए विशेष पैकेज जारी कर किसानों के हित के लिए ठोस व कारगर कदम उठाए।

अजमेर दौरे के दौरान राठौड़ ने जयपुर रोड स्थित मकराना राज होटल पर कांठोस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनसे संगठनात्मक चर्चा की। इसके बाद पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, पूर्व वंशावली बोर्ड के अध्यक्ष रामसिंह राव व देहात कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने मुहामी गांव जाकर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता स्वर्गीय सूरज सिंह रावत के निधन पर शोक प्रकट किया और श्रद्धांजलि अर्पित कर शोकाकुल परजिनों को सांत्वना प्रदान की।

पुरानी मंडी के कायस्थ मोहल्ले में देहात कांठोस प्रवक्ता कमल वर्मा की ओर से आयोजित लम्बोदर राजा समिति के तत्वावधान में आयोजित गणपति महोत्सव में पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। बोराड़ा कांठोस मंडल अध्यक्ष गणेश गुर्जर, भागीरथ गुर्जर, राजू प्रजापत, प्रधान गैणा, महावीर बैरवा, गोविंद सिंह राठौड़, ओंकार सिंह राठौड़, प्रधान गुर्जर, पूर्व सरपंच शक्ति प्रताप सिंह राठौड़, शैतान गुर्जर, सत्यनारायण गुर्जर, वीरेन्द्र सिंह राठौड़, भानु प्रताप सिंह राठौड़, जितेन्द्र कुमार दमामी, अभिमन्यु सिंह राठौड़, पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने भी स्वागत किया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सरवाड़ जिला अजमेर(राज०)

क्रमांक नपास./2025-26/2545 **-लोक सूचना-** दिनांक-1/9/2025

श्री प्रहलाद, सुरजकरण व सीताराम पुत्रगण श्री गोपी रेगर निवीसगण सरवाड़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है,

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
सरवाड़ अजमेर	सरवाड़	6002/3282	0.08 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 1/9/25 को जारी की गयी।

-अधिशासी अधिकारी नगरपालिका सरवाड़

एडीए द्वारा क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रारम्भ

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय में निर्माणाधीन मल्टीस्टोरी सर्जिकल ब्लॉक के 5 व 6 तल पर राशि 1663 लाख की लागत से क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिससे दुर्घटनाठास्त एवं गम्भीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों का विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में गहन एवं विशिष्ट उपचार किया जायेगा।

राजस्थान चिकित्सा शिक्षा सोसायटी द्वारा क्रिटिकल केयर यूनिट निर्माण हेतु अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर को कार्यकारी एजेन्सी नियुक्त किया गया है।

इस कार्य के लिए अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर द्वारा 8 अगस्त 2025 को राशि1584.13 लाख रुपये का कार्यादेश जारी किया गया है।

मौके पर 13 अगस्त से कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है, जिसके मई 2026 तक पूर्ण होने की सम्भावना है। एडीए द्वारा पूर्व में भी चिकित्सा विभाग से सम्बन्धित कायड़ में नये मेडिकल कॉलेज निर्माण राशि रुपये 19291 लाख तथा जे.एल.एन. में सर्जिकल ब्लॉक निर्माण राशि रुपये 4500 लाख रूपए का निर्माण कार्य भी करवाया जा रहा है।

न्यायालय श्रीमान सिविल न्यायाधीश महोदय, सरवाड़, जिला अजमेर

दीवानी वाद संख्या............./सन् 2025

घनश्याम वगैरह बनाम नगरपालिका वगैरह

नोटिस अन्तर्गत आदेश 1 नियम 8 जाप्ता दीवानी सपठित धारा 91 जाप्ता दीवानी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वादीगण की ओर से आमजन के हितार्थ प्रतिवादीगण के विरूद्ध उक्त आशय का वाद पेश किया है कि नगर सरवाड़ में सांपला गेट के बाहर भील कॉलोनी के आगे दशहरा मेला मैदान है जो रावण चौक के नाम से जाना जाता है। जो खसरा सं. 2621,2623,2612 में स्थित है। उक्त दशहरा मेला मैदान जब से सरवाड़ में बसा है तब से स्थित है, तभी से उक्त मैदान में प्रतिवर्ष रावण दहन किया जाता है। एवं दशहरा मेले का आयोजन होता है जो नगरपालिका सरवाड़ की ओर से किया जाता है। जिसको सरवाड़ की आम जनता देखने जाती है। तथा इसी चौक में दरगाह सरवाड़ के मेले के दौरान आने वाले जायरीनों के ठहरने की एवं उनके वाहनों की पार्किंग व्यवस्था नगरपालिका सरवाड़ द्वारा प्रतिवर्ष की जाती है। रावण चौक में रावण दहन के लिए चबूतरा बना हुआ है। तथा रामजानकी का बेवाण रखने हेतु चबूतरा बना हुआ है जो मौके पर आज भी मौजूद है। तथा शिवसागर तालाब में बरसाती पानी की आवक भी उपरोक्त जगह में से ही है। शिवसागर तालाब के रामघाट पर जलझूलनी ग्यारस का पर्व हिन्दू समाज द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाता है। तथा गांव के पशु पक्षी भी इसी तालाब से पानी पीते हैं। प्रतिवादीगण द्वारा उपरोक्त भूमि को आमजनों के हितों व भावना की अनदेखी करते हुये एवं उनके त्यौहारों से वंचित करने के दुराशय से उपरोक्त भूमि को खुर्द बुर्द करने, उसमें भूखण्ड आवंटित करने इत्यादि पर प्रतिवादीगण तुले हुये हैं। जिसमें वादीगण ने प्रतिवादीगण द्वारा किये गये व किये जाने वाले उक्त अवैध कृत्य को रोके जाने बाबत वादीगण ने बहैसियत स्वयं व बहैसियत नगरवासी सरवाड़ के वाद प्रस्तुत किया है, जिसमें आगामी सुनवाई तारीख 16.9.25 नियत की गई है। उक्त मामले में कोई भी व्यक्ति अपना पक्ष रखना चाहता है तो वह दि. 16.9.25 को स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर वाद में पक्षकार बन सकता है एवं अपना पक्ष रख सकता है। यह सूचना आज दिनांक 3/9/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुद्रा से जी की गई।

रीडर, न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, सरवाड़ जिला अजमेर

कानून व्यवस्था का मुद्दा गुंजा

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। विधायक विकास चौधरी ने विधानसभा में सरकार को घेरकर कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। विधायक चौधरी ने कहा आये दिन चोरी डकैती हत्या सहित संगीन आपराधिक वारदाते घटित होने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होने से बदमाशों के हौसले बुलंद है। विधानसभा के चतुर्थ सत्र में विधायक चौधरी ने सरकार से सवाल किया कि एक जून 2025 से 20 जुलाई 2025 तक चोरी के कितने प्रकरण दर्ज हुए हैं, कितने सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं, केमरो से सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद भी वारदातो का खुलासा क्यों नहीं हो पा रहा है। मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सवालों के घेरे में फंसकर बतौर रस्म अदायगी जबाब देने से विधायक ने आपत्ति जताई, कहा झूठे आंकडों के बजाय वास्तविकता को स्वीकार किया जाये, खुफिया तंत्र फैल हो चुका है, स्थिति को संभालने की जरूरत है, आमजन अपने आपको को असुरक्षित मानकर दशहत के माहौल में जीवन जी रहा है। इन सब के बावजूद जिम्मेदार मंत्री द्वारा केवल मुल्जिमान की तलाश जारी है शब्द जोडकर गंभीर सवालो को अनसुना कर देना ठीक नहीं है। मंत्री जवाहर सिंह ने स्वीकार किया की घटनाओं में बढोतरी हुई है, किंतु ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये सवाल के जवाब में असहज नजर आए।

मेड़ता सिटी में शोभायात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता शहर में गणेश विसर्जन व बारहावफात पर्व को लेकर नागौर जिला कलक्टर अरूण कुमार पुरोहित की अध्यक्षता में बारावफात जूलूस व गणेश प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक उपखण्ड कार्यालय मेड़ता सभागार में आयोजित की गई। जिसमें बारावफात एवं गणेश महोत्सव समिति से दोनों पर्वो को लेकर व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की गई। इस मौके पर उपस्थित दोनों समिति के पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि जिन मार्ग से भी जुलूस / शोभायात्रा निकले उस मार्ग पर सडकों पर पडे गडडों को ठीक करवाने, साथ ही विद्युत तारों को उपर करवाने, दुकानों के बाहर लगे पर्दे, दुकानों के बाहर कर रखे अस्थाई अतिक्रमण आदि को हटाने के लिए निवेदन किया गया। इस पर जिला कलक्टर पुरोहित ने कहा कि ये दोनों पर्व शांति प्रिय पर्व हे । इन पर्वो को मिलजुल कर मनाना चाहिए वही संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनो पर्वो को लेकर बैठक में जो भी समस्याएं रखी गई है उनको तुरन्त निस्तारण करें। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने कहा कि जुलूस / शोभायात्रा के दौरान कोई भी व्यक्ति किसी भी जाति विशेष या समुदाय विशेष के खिलाफ नारेबाजी नहीं करेगा एवं किसी भी तरह का कोई हथियार आदि लेकर नहीं चलेगा। अगर इसके बावजूद भी कोई अगर ऐसा करता है तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

जुलूस आज

अजमेर, (कासं)। मोहम्मद साहब के 1500 वें जन्मोत्सव जश्न ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को ऐतिहासिक अढ़ाई दिन के झोपड़े से जुलूस निकाला जाएगा। सूफी इटरनेशनल के सचिव नवाब हिदायत उल्ला ने बताया कि जुलूस प्रातः 9 बजे प्रारंभ होगा त्रिपोलिया गेट, कमानी गेट से जुलूस ख्वाजा साहब की दरगाह पहुंचेगा, अंजुमन सैय्यदजादगान की ओर से स्वागत किया जाएगी। धानमंडी, देहली गेट से जुलूस गंज होता हुआ ऋषि घटी बाईपास चिल्लाकुतुब साहब पहुंचेगा,यहां 12:30 बजे सलातो सालम पेश कर देश दुनियां में अमन चैन भाई चारगी की दुआ की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत हटूण्डी पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण(अजमेर)

क्रमांक : ग्रा.पं. हटूण्डी/निविदा/2025-26/40 दिनांक: 04/9/2025

ई-निविदा सूचना-04/2025-26

ग्राम पंचायत हटूण्डी में अटल ज्ञान केन्द्र निर्माण कार्य हटूण्डी (राशि रूपये 08 लाख) हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निविदा दिनांक 04.09.2025 से 15.09.2025 तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ & http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB NO- ZAJ2526A1114

UBN NO- ZAJ2526GSOB01195

प्रशासक ग्राम पंचायत हटूण्डी पं.स. हटूण्डी — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत हटूण्डी पं.स. हटूण्डी

कार्यालय ग्राम पंचायत ढसूक पंचायत समिति अंराई, जिला अजमेर

क्रमांक : ग्रा.पं.ढसूक/निविदा/2025-26/99 दिनांक: 04/9/2025

खुली निविदा सूचना-03/2025-26

ग्राम पंचायत ढसूक वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत ढसूक में खेल मैदानों का विकास एवं ओपन जिम स्थापना कार्य हेतु Original Equipment Manufacturer/Authorised Delar/Sub-Delar पंजीकृत फर्मों से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है-

विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB NO- ZAJ2526A1097 UBN NO- ZAJ2526GSOB01179

प्रशासक ग्राम पंचायत ढसूक पं.स. अंराई(अजमेर) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ढसूक पं.स. अंराई(अजमेर)

कार्यालय ग्राम पंचायत दादिया पंचायत समिति अंराई, जिला अजमेर

क्रमांक : ग्रा.पं.दादिया/निविदा/2025-26/91 दिनांक: 04/9/2025

खुली निविदा सूचना-03/2025-26

ग्राम पंचायत दादिया वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत दादिया में खेल मैदानों का विकास एवं ओपन जिम स्थापना कार्य हेतु Original Equipment Manufacturer/Authorised Delar/Sub-Delar पंजीकृत फर्मों से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है-

विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB NO- ZAJ2526A1096 UBN NO- ZAJ2526GSOB01178

प्रशासक ग्राम पंचायत दादिया पं.स. अंराई(अजमेर) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत दादिया पं.स. अंराई(अजमेर)

अजमेर दादाबाड़ी जीर्णोद्धार में इन्द्र देवता भी शामिल हुए

अजमेर, (कासं)। विश्व के प्रथम दादागुरूदेव युगप्रधान श्री जिनदत्तसूरि जी महारासा की समाधि, स्थल अजमेर दादाबाड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास दादाबाड़ी में गुरूवार को मुनिप्रवर सम्यक रत्नसागरजी म. सा. और जीर्णोद्धार प्रेरिका साध्वी मनोहर श्रीजी म. सा. के सानिध्य में प्रातः 7:54 बजे विधिकारक मध्य प्रदेश निवासी अरविन्द प्रवीण चोरडिया द्वारा समपन्न कराया गया, जिसमें पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिघवी, श्री जिनदत्तसूरि जी महाराज की मुख्य धरणी कुर्म शिला लाभार्थी कोयम्बटूर निवासी विजयचन्द पारस मणी कुशल दिपमाला झाबक परिवार, भीमराज सुशिला बोहरा, महेन्द्र कोठारी सहित 101 शिलाओ के लाभार्थी परिवार ने चांदी की तगारी में सीमेंट मसाला भर कर चांदी की करनी से शिलाओं को स्थापित किया।

श्री जिनदत्तसूरि समाधि स्थल दादाबाड़ी जीर्णोद्धार के शिलान्यास शिलास्थापना का कार्य मन्त्रोचारण से शुरू होते ही इन्द्र देवता मेहरबान हो गये और शिलाओ के लाभार्थी परिजनो सहित उपस्थित हजारो भक्तगण बारीश से तरबतर हो गये। शिला कलश की स्थापना, विधि मंजुशा की स्थापना, कछुए की स्थापना और श्री जिनदत्तसूरि जी महाराज की मुख्य धरणी कुर्म शिला की स्थापना और समस्त 101 शिलाओं की स्थापना कर लाभार्थीयो ने शिलाओ के चारो तरफ सफेद सीमेंट से शिलान्यास किया।

जीर्णोद्धार समिति के संयोजक भीमराज बोहरा एवं खरतरगच्छ संघ प्रवक्ता रिखब सुराणा ने बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम की शुरूवात प्रातः 5:31 बजे स्नात्र पूजा से प्रारम्भ हुई, जिसके प्रश्चात् 101 शिलाओं का शिलान्यास महोत्सव प्रारम्भ हुआ, जिसमें गुरू भगवन्तो द्वारा 'औम पुण्यहाम पुण्यहाम से विधिवत एक एक शिला के नाम से मत्रोच्चार कर उसकी उसकी स्थापना व वाकक्षेप किया गया। पहले कलश गृभ में कुर्म शिला के नीचे सोने चांदी की ईटो को रखकर उस पर धर्नेन्द्र पदमावती, सवास्तिक, चांदी के फूल अर्पण कर चांदी की आंगी रखकर कछुआ रखकर कपडे से पैक किया गया और साधु भगवंतो द्वारा मांगलिक सुनाया गया और लाभार्थी परिवारों ने नाल का विधिविधान से विधिवत पुजन अर्चना की गई। जिसमे देश भर से आये लगभग 1200 भक्तगणों ने अपने परिजनों के साथ शिलान्यास के साक्षी बन कर शिलान्यास कार्य की अनुमोदना की।

शिलाओं के नीचे स्वर्ण, रजत, हीरे, जवाहरात रोपित किये गये। रजत कलश के साथ पूरे हिंदुस्तान के जैन साधु साध्वीयो द्वारा मंत्रीत वात्सकक्षेप का कलश शिलाओ के साथ रोपित किया गया।

शिलान्यास महोत्सव में भीमराज-सुशीला बोहरा, बहादुरमल कांकरिया, विक्रम पारख, सुशील वेद, नरेन्द्र लालन महेन्द्र लुणिया, दिनेश मेहता, सतीष बुरड़, शोभित, सौरभ सुराणा सहित खरतरगच्छ संघ और अरिहन्त मण्डल ने शिलान्यास के सभी कार्य और व्यवस्थाओं को अन्जाम दिया।

कार्यालय नगर निगम,अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास, पंचशील नगर,अजमेर

दूरभाष-0145-249953, फैक्स- 0145-2433813, Email-ajmermc@gmail.com. ajmermc@rajasthan.gov.in

क्रमांक: MEW/2025-26/208 **नीलामी सूचना** दिनांक: 04/9/25

नगर निगम अजमेर द्वारा गंज गोदाम पर स्थित अनुपयोगी सामान की "As is Where is" स्थिति में नीलामी की जा रही है। जिसकी दिनांक 12.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे से निर्धारित की गई है। इस नीलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित राशि/शुल्क निम्नानुसार है।

क्र.सं.	नीलामी सामान का विवरण	राशि/शुल्क का प्रकार	अमानत राशि
1.	लकड़ी/एल्यूमीनियम सामग्री पुरानी	अमानत राशि	15000/-

इस संबंध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में नगर निगम के गंज गोदाम कार्यालय में उपस्थित होकर श्री ओमप्रकाश वरिष्ठ सहायक से प्राप्त की जा सकती है।

-उपायुक्त (विकास)नगर निगम, अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत बोराड़ा पंचायत समिति अंराई, जिला अजमेर

क्रमांक : ग्रा.पं.बोराड़ा/निविदा/2025-26/80 दिनांक: 04/9/2025

खुली निविदा सूचना-04/2025-26

ग्राम पंचायत बोराड़ा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत बोराड़ा में खेल मैदानों का विकास एवं ओपन जिम स्थापना कार्य हेतु Original Equipment Manufacturer/Authorised Delar/Sub-Delar पंजीकृत फर्मों से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है-

विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB NO- ZAJ2526A1101 UBN NO- ZAJ2526GSOB01183

प्रशासक ग्राम पंचायत बोराड़ा पं.स. अंराई(अजमेर) — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बोराड़ा पं.स. अंराई(अजमेर)

डूंगरपुर के गलियाकोट में साढ़े तीन इंच पानी बरसा, 20 बांध व तालाब ओवरफ्लो

चिखली में तीन इंच, डूंगरपुर में दो इंच, बेंजा में ढाई इंच बरसात हुई

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में गुरुवार सुबह से रुक-रुककर बरसात का दौर शुरू हो गया। आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। कभी रिमझिम तो कभी तेज बरसात हुई। वहीं, डूंगरपुर के गलियाकोट, चिखली क्षेत्र में मूसलाधार बरसात हुई। बारिश की वजह से जिले के कई बांध, तालाब ओवरफ्लो बह रहे हैं। डूंगरपुर में गुरुवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बरसात गलियाकोट में साढ़े तीन इंच हुई

मौसम विभाग की ओर से डूंगरपुर में गुरुवार को बारिश का ऑरेंज अलर्ट था। बुधवार शाम से शुरू हुआ बारिश का दौर रात के समय भी रुक-रुककर जारी रहा। गुरुवार को सुबह दिन खुलने के साथ ही आसमान में बादल छाए रहे। रुक-रुककर कभी तेज तो कभी हल्की और रिमझिम बरसात हो रही है। इससे सड़कों पर पानी बहने लगा और मौसम सुहावना हो गया। सुबह के समय बारिश की वजह से स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर रोजमर्रा के कामकाज वाले लोगों को परेशानी हुई।

डूंगरपुर जिले में तेज बारिश के बाद मेवाड़ा बांध ओवरफ्लो हो गया।

- **डूंगरपुर में बारिश से सोम कमला आंबा बांध के 2 गेट खोलकर पानी की निकासी जारी**

डूंगरपुर में गुरुवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बरसात गलियाकोट में साढ़े तीन इंच (84 एमएम) बारिश हुई है। चिखली में 3 इंच, डूंगरपुर में 2 इंच, बेंजा में 40 एमएम, गणेशपुर में 35 एमएम, साबला में 35 एमएम, धंबोला में 29 एमएम, देवल में 30 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। डूंगरपुर में बारिश की वजह से सोम कमला आंबा बांध के 2 गेट खुले हुए हैं। जिनसे पानी की निकासी हो रही है। वहीं, जिले के 20 छोटे-बड़े बांध और तालाब ओवरफ्लो बह रहे हैं।

पूर्व सरपंच पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

नोखा, (निसं)। एक महिला ने पूर्व सरपंच व नोखा देहात के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि वह अपने पति से अलग रहती है और बच्चों के साथ अपने घर में रहती है।

आरोपी मेघसिंह राजपूत है। पीड़िता पहले उसके घर से टिफिन लेने जाती थी। 3 फरवरी को मेघसिंह ने टिफिन देने के बहाने महिला को अपने घर बुलाया। जब महिला पहुंची तो आरोपी ने कमरे में बुलाकर दरवाजा बंद कर दिया। विरोध करने पर उसने अलमारी से पिस्तौल निकालकर महिला की कनपटी पर रख दी और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने महिला का अश्लील वीडियो और फोटो भी बनाए। इसके बाद सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे अपनी होटल में भी बुलाया और दुष्कर्म किया। पिछले 10 दिन से आरोपी लगातार फोन और वॉट्सएप पर अश्लील मैसेज भेज रहा है। पीड़िता के मना करने पर आरोपी ने कहा कि वह पूर्व सरपंच है और उसकी ऊपर तक पहुंच है। उसने गैंगस्टरों से अपहरण करवाने और जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में एक की मौत, तीन घायल

टोंक, (निसं)। जिले के अलीगढ़ थाना क्षेत्र में टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाइवे पर बुधवार रात सहीदाबाद में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अलीगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सवाई माधोपुर अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

अलीगढ़ थाना प्रभारी पवन कुमार चौधरी ने बताया कि सवाईमाधोपुर जिले के कार सवार लोग बुधवार रात को लोग सहीदाबाद गांव में रिश्तेदारी में पगड़ी के दस्तूर के कार्यक्रम में आ रहे थे, तभी सहीदाबाद गांव में प्रवेश करने से कुछ ही दूरी पर जीप के आगे गाय आ गई, जिससे कार का नियत्रंण बिगड़ जाने से सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बोली निवासी कैलाश पुत्र जयलाल मीणा उम्र 55 साल की मौके पर मौत हो गई है तथा कार में सवार हनुमान, मीठा लाल व प्रहलाद मीणा घायल हो गए, जिन्हें हादसे के बाद अलीगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां कैलाश को औपचारिक रूप से मृत घोषित कर दिया। शव अलीगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वहीं तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सवाईमाधोपुर अस्पताल में रेफर कर दिया। पुलिस ने गुरुवार सुबह मृतक शव का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

- **कार सवार लोग सहीदाबाद गांव में रिश्तेदारी में पगड़ी दस्तूर के कार्यक्रम में आ रहे थे**
- **कार के आगे गाय आने से कार का नियत्रंण बिगड़ गया और सामने आ रहे ट्रक से टकरा गई**

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पता : मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी, Ph. : 02934-285022, E-Mail ID : npsadri1979@yahoo.com
क्रमांक :- न.पा.सा./2025/2458 - 2460 दिनांक :- 01/09/2025
Notice Inviting Bid
Bid for subject matters of procurement are invited from interested bidders up to (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website. UBN NO :- DLB2526WSOB16376, 16377, 16378
Raj.Samwad/C/25/9316 अधिशाषी अधिकारी

MUNICIPAL CORPORATION KOTA SOUTH (RAJ.)
Address : C.A.D. Circle, Dusshehra Ground, Kota, E-Mail : nnkotasouth@gmail.com
No. :- NNK-S/Electrical/2025/525-532 Date :- 03/09/2025
Notice Inviting Bid
Bid for Conducting of Drone Light Show during Kota Dusshera Mela on Hire Basis are invited from interested bidders up to 04.09.2025 to 15.09.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.nic.in of the state and udh.rajasthan.gov.in/nnks department website.
NIB No. : DLB2526A5420
UBN No. : DLB2526GLOB16571
Executive Engineer
Raj.Samwad/C/25/9296 Municipal Corporation, Kota-South

जे.डी.सी. उत्साह चौधरी ने समीक्षात्मक बैठक ली

जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली।

जोधपुर, (निसं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। आयुक्त उत्साह चौधरी ने बैठक में प्राधिकरण की ऑनलाइन सेवाओं यथा 90ए, भवन निर्माण स्वीकृति, लीज डीड एवं अरबन सर्विसेज यथा नाम हस्तांतरण, प्रोपर्टी आईटी जनरेशन, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, सब डिवीजन इत्यादि के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की गई। आयुक्त द्वारा ई-फाईल डिस्पोजल रिपोर्ट, ई-फाईल व ई-डाक पेंडिंग रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए त्वरित गति से पत्रावलियों के निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक के दौरान आयुक्त चौधरी ने प्रभारी अधिकारीगण से प्राप्त ऑनलाइन सेवाओं यथा 90ए, भवन निर्माण स्वीकृति, लीजडीड इत्यादि के प्रकरणों की सूची का रिव्यू करते हुए प्रकरणों के निस्तारण पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में राजस्थान सम्पर्क, जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राधिकरण से संबंधित प्रकरणों, लोकायुक्त, विधानसभा प्रश्नोत्तर, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त चौधरी ने प्रकरणों के रिव्यू के दौरान प्रभारी अधिकारी को लम्बित प्रकरणों को त्वरित गति से निष्पादित करवाने के लिए संबंधित कार्मिकों को निर्देशित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस दौरान बैठक में सचिव भागीरथ बिश्नोई, उपसचिव कंचन राठौड़, उपायुक्तगण मुकेश बारेठ, रामजी भाई कलबी, जयपाल सिंह राठौड़, दिनेश कुमार मीणा, अदिति पुरोहित, निदेशक अभियांत्रिकी महेन्द्र सिंह पंवार, निदेशक वित्त मंजीत चारण, निदेशक आयोजना सुनिल चौहान, डीएलआर सुरेन्द्र सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियन्ता अरविन्द माथुर एवं बीएल चौधरी, तहसीलदार, अभियन्ता सहित उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

- **उत्साह चौधरी ने त्वरित गति से पत्रावलियों के निस्तारण हेतु निर्देश दिये**

पहाड़ से खिसके पत्थर, मलबे में दबने से तीन युवकों की मौत

अलवर, (निसं)। नौगांवा थाना क्षेत्र के गांव कालाघाटा में गुरुवार को पहाड़ से खिसके पत्थर के साथ मलबे में दबने से तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

थाना अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि कालाघाटा में पहाड़ का मलबा ढहने से चार लोगों के दबने की सूचना मिली। इस पर उपखण्ड अधिकारी अनिल मीणा, तहसीलदार मांगीलाल मीणा सहित सीओ सुनील शर्मा मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से मलबे में दबे लोगों को निकलवा कर नौगांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया, जहां तीन को मृतक घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मृतकों के चाचा फतेह मोहम्मद ने नौगांवा थाना पुलिस को रिपोर्ट दी है कि उनके भतीजे शाकिर और शकील पुत्र इलियास सहित गांव का जाहिद पुत्र रमजान एवं रिश्तेदार जुबेर पुत्र पहलू बकरियां चराने के लिए पहाड़ पर गए थे। वहां पेड़ की छाया में बैठकर बातें कर रहे थे कि अचानक पहाड़ का पत्थर खिसक गया और उसके मलबे में चारों दब गए, जिससे शाकिर पुत्र इलियास, शकील पुत्र इलियास निवासी कालाघाटा नौगांवा तथा जुबेर पुत्र पहलू निवासी झिमरावट हरियाणा की मौके पर मौत हो गई। वहीं जाहिद पुत्र रमजान गम्भीर घायल हो गया। मृतकों का नौगांवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए। घायल युवक को अलवर के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया है।

- **एक युवक गंभीर रुप से घायल, उपचार के लिसे अस्पताल में भर्ती कराया**
- **चार जने बकरियां चराने के लिए पहाड़ पर गए थे, पेड़ के नीचे बैठ कर बातचीत रहे थे**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली
क्रमांक-2245-2266 दिनांक-22/8/25
ई-निविदा सूचना संख्या-09/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए. बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE - PWD2526A 2833
UBN No- 1. PWD2526WSOB 10490
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/12561/2025 सा. नि. वि. खण्ड करौली

पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या की, आरोपी पति डिटेन

कहासुनी होने पर पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी की गर्दन पर तीन से चार वार किए

सीकर, (निसं)। सीकर के रामगढ़ सेठान थाना इलाके के तिहाय गांव में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। कहासुनी होने पर पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी की गर्दन पर 3 से 4 वार किए। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर रामगढ़ सेठान पुलिस मौके पर पहुंची। शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में लाया गया। मामले में आरोपी पति को भी पुलिस ने डिटेन कर लिया है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतका का नाम सुमन जाट(50) है, जिसकी उसके ही पति श्रवण कुमार (55) ने हत्या कर दी।

जानकारी के मुताबिक श्रवण कुमार जाट मानसिक रूप से कमजोर था। इसका पिछले कई दिनों से इलाज भी चल रहा था। गुरुवार सुबह पत्नी सुमन और श्रवण की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। ऐसे में श्रवण कुल्हाड़ी लेकर आया। डर की वजह से सुमन छत पर चली गई। नीचे काफी देर तक श्रवण कुल्हाड़ी लेकर घूमता रहा। जैसे ही उसे मौका मिला, वह छत पर गया। यहां पर उसने पत्नी सुमन की गर्दन पर तीन से चार वार किए। इससे सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर परिवार के अन्य लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पति को डिटेन किया। साथ ही मृतका के शव को हॉस्पिटल पहुंचाया। घटना सुबह 10 से 11 बजे के बीच है। दोनों के एक बेटा है, जो विदेश में काम करता है। दोनों खेती का काम करते हैं।

मामले में रामगढ़ सेठान थानाधिकारी पवन कुमार का कहना है कि मानसिक रूप से कमजोर श्रवण ने पत्नी सुमन की गर्दन पर 3 से 4 वार किए। इससे सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी पत्नी को डिटेन किया गया है। मामले की जांच जारी है।

- **दोनों के एक बेटा है, जो विदेश में काम करता है, दोनों खेती का काम करते हैं**
- **श्रवण कुमार जाट मानसिक रूप से कमजोर था, पिछले कई दिनों से इलाज भी चल रहा था**

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
पंजीकृत कार्यालयः विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website- energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, E-mail: jaipurdiscom@jvvnl.org
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II) पुराना पावर हाउस परिसर, राम मन्दिर के पास, बनीपार्क, जयपुर-302006, फोन नं0-0141-2202607, e-mail id : semm2@jvvnl.org
अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
5 के.वी.ए. से 25 के.वी.ए. तक गारंटी अवधि पार विफल/क्षतिग्रस्त एल्यूमिनियम वाउण्ड सिंगल फेज डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर (निविदा संख्या–2936, यूबीएन–VVN2526WSRC00414) की मरम्मत हेतु 'ई–प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल उक्त वेबसाईट्स पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/25/9328 जेपीआर - 3050 (2025) अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा0नि0वि0, खण्ड-लाखेरी
क्रमांक-889 **निविदा सूचना संख्या 07/2025-26** दिनांक-25.08.2025
NIB Code PWD2526A2894
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 01.09.2025 से 10.09.2025 को सायं 6:00 बजे तक।
NIB code PWD2526A2894
UBN is: PWD2526WSOB10887, UBN is: PWD2526WSOB10888
UBN is: PWD2526WSOB10889, UBN is: PWD2526WSOB10890
UBN is: PWD2526WSOB10891, UBN is: PWD2526WSOB10892
UBN is: PWD2526WSOB10893, UBN is: PWD2526WSOB10894
UBN is: PWD2526WSOB 10896, UBN is: PWD2526WSOB10899
(एस0के0 सिंघल) अधिशाषी अभियन्ता सा0नि0वि0, खण्ड लाखेरी
DIPR/C/12508/2025

ट्रक ने नर्सिंगकर्मी को कुचला, मौत

बीकानेर, (निसं)। भारतमाला एक्सप्रेस वे पर एक ट्रक ने नर्सिंगकर्मी को कुचल दिया। हादसे में नर्सिंगकर्मी अमनदीप सिंह की मौत हो गई। हादसा गुरुवार दोपहर 12 बजे हुआ। मृतक अमनदीप सिंह हनुमानगढ़ के टिब्बी के रहने वाले थे। वह एक पेशेंट को छोड़ने के लिए बीकानेर आया था। हादसा नौरंगदेसर से आगे हनुमानगढ़ की तरफ हुआ।

पुलिस के अनुसार अमनदीप बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में एक मरीज को छोड़कर लौट रहा था। भारतमाला पर उसने एम्बुलेंस को रोका और बाथरूम करने चला गया। इसी दौरान हनुमानगढ़ की ओर से आ रहे ट्रक ड्राइवर को झपकी आई और टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से अमनदीप की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अमनदीप इकलौता बेटा था। घर में उसके शादी की तैयारियां चल रही थी।

मासूम की मौत

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके के मोती बाग में गुरुवार को टॉफी लेकर घर लौटी 5 साल की बच्ची पर घर का छज्जा गिर गया। बच्ची के मलबे में दबे होने की जानकारी के बाद चीख-पुकार मच गई। 20 मीनिट की मशक्कत के बाद बच्ची को मलबे से बाहर निकाला गया, लहूलुहान हालत में बच्ची को अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाड़ी
पता :- बाईपास किला बाडी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल-ee_pwdbari@rediffmail.com
कमांकः 790 दिनांक 22/08/2021
निविदा सूचना संख्याः 04/2025-2026
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पर सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए."ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।
(पूरन सिंह) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि खण्ड बाडी
DIPR/C/12582/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PWD DIVISION KUCHAMAN CITY
क्रमांक-अअकु/निविदा/2025-26/856 दिनांक-28.08.2025
Notice Inviting Bid No. 07/2025-26
4 Nos Bids for Rate contract for Flood Restoration work Block Nawa are invited from interested bidders upto 08.09.2025 Time 6.00 PM. Otther particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http.//eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state & Public Works Department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 134.19 Lacs
NIB Code: PWD2526A2979
UBN No: 1. PWD2526WSRC11195, 2. PWD2526WSRC11201
3. PWD2526WSRC11202, 4. PWD2526WSRC11204
(Jitendra Jangir) Executive Engineer, PWD Dn. Kuchaman City
DIPR/C/12840/2025

टीचर्स डे पर विशेष : महिला शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रतीक बना "रेणुका क्लासेस"

रेणुका शर्मा ने 14 साल की उम्र में अपने घर पर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और 18 वर्षों के अनुभव के साथ सैकड़ों छात्रों को शिक्षा दे चुकी हैं

उदयपुर, (कासं)। टीचर्स डे उन शिक्षकों को समर्पित है जो समाज में बदलाव की नींव रखते हैं। ऐसी ही प्रेरक मिसाल हैं रेणुका शर्मा, जिन्होंने महज़ 14 साल की उम्र में उदयपुर के हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित अपने घर पर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया और आज 18 वर्षों के अनुभव के साथ सैकड़ों छात्रों को शिक्षा दे चुकी हैं।

- **रेणुका शर्मा ने भाई योगेश के सहयोग से "लर्न विद रेणुका" नाम से एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की स्थापना की है**
- **इसका उद्देश्य केवल बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और डिजिटल शिक्षा को भी बढ़ावा देना है**

उदयपुर की रेणुका शर्मा कई वर्षों से बच्चों को शिक्षा दे रही है।

रेणुका शर्मा ने बताया कि उनकी लगन और मेहनत से शुरू हुआ यह सफ़र अब उनके भाई योगेश के सहयोग से और भी बड़ा रूप ले चुका है। दोनों ने मिलकर "लर्न विद रेणुका" नाम से एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की स्थापना की है। इसका उद्देश्य केवल बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और डिजिटल शिक्षा को भी बढ़ावा देना है।

रेणुका शर्मा और योगेश शर्मा का कहना है कि शिक्षा केवल करियर का साधन नहीं, बल्कि समाज निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। इस टीचर्स डे पर उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि छोटे सपने भी बड़े बदलाव का कारण बन सकते हैं। रेणुका शर्मा और योगेश शर्मा ने बताया कि हमारे प्लेटफ़ॉर्म का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराना एवं महिलाओं को शिक्षक व डिजिटल उद्धमी बनने का अवसर देना तथा बच्चों के लिये एआई और प्रौद्योगिकी आधारित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है।

कार्यालय नगर पालिका, मसूदा (ब्यावर)
क्रमांक :- नपाम/ई निविदा/2025-26/843 दिनांक :- 28/08/2025
ई-निविदा सूचना
नगर पालिका मसूदा की ओर से नगर पालिका मसूदा एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है। नगर पालिका क्षेत्र के कुल 01 कार्य अनुमानित लागत 25.00 (रू लाख) की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 29.08.2025 एवं 11.09.2025 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
प्रशासक नगर पालिका, मसूदा — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, मसूदा
राज.संवाद/सी/25/9310

कार्यालय नगर निगम जोधपुर (दक्षिण)
पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर(राजस्थान)
ceo_nnj@rediffmail.com Tel. 0291-2651464
क्रमांक :- अग्नि/13/JFS/दक्षिण/2025-26/11284 दिनांक :- 01/09/2025
ई- निविदा सूचना
नगर निगम जोधपुर दक्षिण की ओर से शास्त्रीनगर, बासनी तथा चौपासनी फायर स्टेशन के आठ (8) अग्निशमन वाहनों का रखरखाव एंव संचालन हेतु निविदाऐं अनुभवी एवं योग्य प्रतियोगियों से e-tenderning प्रक्रिया से आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते निविदा की विस्तृत शर्ते:– http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर व जोधपुर नगर निगम की वेबसाईट lsg.rajasthan.gov.in/mcjs से प्राप्त की जा सकती है।
UBN No. : DLB2526WSOB16372
आयुक्त, नगर निगम जोधपुर दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/9285

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई
क्रमांकः 2415-24 दिनांक : 25.08.2025
निविदा सूचना संख्या : 16/2025-26 खण्ड निवाई
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक / भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code- PWD2526A2860
1. PWD2526WSOB10711, 2. PWD2526WSOB10712, 3. PWD2526WSOB10713
4. PWD2526WSOB10714, 5. PWD2526WSOB10715, 6. PWD2526WSOB10716
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई
DIPR/C/12576/2025

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN)- U40109RJ2000SGC016482
Regd. Off.: VidyutBhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer- 305 004.
(TURN-KEY WORKS CIRCLE),Phone: +91-145-2644507,
Fax:+91-145-2644507, E-mail :- setwavvnl2022@gmail.com, Website :-www.avvnl.com
No. AVVNL/SE (TW) /XEN (TW-II)/AEN(TW-I)/NIT/PMA/TN-456/D. 1012 Date : 01/09/2025
Short Term NIT
'E Bids in two parts (Techno Commercial bid and Price Bid) are invited from eligible contractors/bidders for"Appointment of Project Management Agency(PMA) for assisting and supporting project management to Ajmer Discom for additional feeder segregation works (TN-109,TN-111 to TN-113, TN-116, TN-117, TN-142 to TN-152 ,TN-154 to TN-169) and DA-JGUA scheme(TN-153) approved under RDSS scheme."
All the details regarding tender is available at our website www.avvnl.com and www.eproc.rajathan.gov.in. In future corrigendum/extension, if any shall be published only at website www.avvnl.com and www.eproc.rajathan.gov.in.
UBN No. : AVV2526SLOB00349 Superintending Engineer (TW) AVVNL, Ajmer
Raj.Samwad/C/25/9343

जी.एस.टी. दरों के सरलीकरण पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने जताया प्रधानमंत्री मोदी का आभार

गरीब, किसान, व्यापारी और उद्योगपतियों को मिलेगा सीधा लाभ, अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) की दरों के सरलीकरण को लेकर गुरुवार को विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) की दरों के सरलीकरण को ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योगपति सहित समाज के सभी वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि जीएसटी काउंसिल द्वारा लिए गए निर्णय के तहत अब चार दरों की जगह केवल दो दरें लागू होंगी। यह निर्णय आमजन की जरूरतों-रोटी, कपड़ा और मकान-को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह कदम आर्थिक सुधारों की दिशा में एक बड़ा और साहसिक निर्णय है, जो न केवल कर प्रणाली को सरल बनाएगा बल्कि पारदर्शिता और व्यापार सुगमता को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से प्रदेश के व्यापारियों को जहां राहत मिलेगी, वहीं आम जनता को भी आवश्यक वस्तुओं पर कम टैक्स का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार विकास और जनकल्याण की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। शर्मा ने विश्वास जताया कि जीएसटी दरों के इस सरलीकरण से न केवल करदाताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि यह आगामी दीपावली को भी विशेष बना देगा, जब उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत और बाजारों को रफ्तार मिलेगी। यह निर्णय, देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राज्य की सभी आंगनबाड़ी बनेंगी "आदर्श" : दिया कुमारी

जर्जर भवन होंगे तत्काल स्थानांतरित, एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को शासन सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश की आंगनबाड़ियों की दशा सुधारने पर चर्चा की।

जयपुर । राज्य की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को "आदर्श आंगनबाड़ी" के रूप में विकसित करने के लक्ष्य को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड में जाकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और विकास कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शासन सचिवालय में गुरुवार को आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर और असुरक्षित भवनों को तुरंत ध्वस्त कर आंगनबाडी केंद्रों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में कलेक्टरों के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों का सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक वासुदेव मालावत, मुख्य अभियंता (भवन), समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारी, प्रभारी नंद घर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, सभी जिलों के उपनिदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।उप मुख्यमंत्री ने जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए बजट के समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग पर बल दिया। उन्होंने नाराजगी जताई कि कई जिलों में अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एक सप्ताह में सभी जिलों से कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट अनिवार्य रूप से भेजी जाए और आगामी 15 दिनों में पुनः प्रगति की समीक्षा की जाएगी।दिया कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी भवनों को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से युक्त किया जाए। साथ ही, राज्य सरकार के बजट के अतिरिक्त सीएसआर, आपदा सहायता फंड, जिला खनिज फंड और विधायक निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से भी संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाए।

कपड़ों की सिलाई बिगाड़ी, टेलर पर लगाया 10 हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने ग्राहक के पेंट-शर्ट के कपड़ों की सिलाई बिगाड़ने को सेवादोष करार देते हुए मैसर्स रॉयल टेलर्स पर 10 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने टेलर को निर्देश दिया है कि वह पेंट-शर्ट के कपड़ों की सिलाई व उनकी कीमत 5,488 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को भुगतान करे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबे सिंह यादव, सदस्य हेमलता अग्रवाल व सदस्य आशुतोष ने यह आदेश विजय कुमार मल्होत्रा के परिवाद पर दिए।

परिवाद में अधिवक्ता हेमंत कुमार गुप्ता ने बताया कि 11 अगस्त 2021 को परिवादी ने शर्ट व दो पेंट का कपडा विपक्षी को सिलाई के लिए दिया था। टेलर ने पन्द्रह सौ रुपए सिलाई तय की और 22 अगस्त तक डिलीवरी देने को कहा।

परिवादी 14 अगस्त को कपड़ों की ट्रायल के लिए गया तो वह ढीले थे और उनकी फिटिंग सही नहीं थी। विपक्षी ने उसे कहा कि वह इन्हें सही कर देगा, लेकिन परिवादी जब सिले कपडे लेने गया तो वह खराब ही थे। इसलिए उसे विपक्षी से हर्जा-खर्चा सहित कपड़ों की कीमत दिलवाई जाए। इसके जवाब में विपक्षी टेलर ने कहा कि परिवादी 14 अगस्त को ट्रायल के लिए नहीं आया था। वह अपनी सुविधानुसार 28 अगस्त को ट्रायल के लिए आया और 30 अगस्त को डिलीवरी ले गया। कपड़ों की सिलाई 1560 रुपए थी। इसमें से साठ रुपए छूट देते हुए पन्द्रह सौ रुपए ऑनलाइन भुगतान लिया गया। उसने कोई सेवा दोष नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के आयोग ने टेलर पर हर्जाना लगाया है।

हैरिटेज निगम जयपुर के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस की जीत

59 वोट से कांग्रेस उम्मीदवार भानू सैनी ने जीता पार्षद का चुनाव

हैरिटेज निगम जयपुर के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भानू सैनी की जीत के बाद कांग्रेस पार्षदों ने मुख्यालय पर जश्न मनाया।

- बागी सीमा मीणा ने बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेला

जयपुर (कासं)। नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 63 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भानू सैनी ने 59 वोट से जीत हासिल की। यहां बागी सीमा मीणा ने बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेला। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से हैरिटेज निगम के वार्ड 63 में उपचुनाव की मतगणना पूरी हुई। यहां त्रिकोणीय संघर्ष में कांग्रेस पार्टी उम्मीदवार भानू सैनी ने 59 वोटों से जीत दर्ज करके सबकों चौंका दिया। इसका कारण यह है कि राज्य में भाजपा की सरकार है और निगम में भी भाजपा की महापौर डॉ. कुसुम यादव है।

चुनाव जीतने के बाद भानू सैनी ने कहा कि यह वार्ड की जनता और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की जीत है। आने वाले दिनों में वार्ड का विकास कैसे किया जा सके। इसी मुद्दे को लेकर काम करना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

दरअसल, हैरिटेज निगम के वार्ड 63 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव की मतगणना पूरी हुई, जिसके लिए कांग्रेस से भानु सैनी, बीजेपी से रितु नंदवाना और पूर्व पार्षद की पुत्रवधू सीमा मीणा भी चुनावी मैदान में थी। जिसकी वजह से मुकाबला रोचक त्रिकोणीय संघर्ष में बदल गया था। इस मुकाबले में कांग्रेसी प्रत्याशी की जहां जीत हुई है, वहीं कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुई सुशीला मीणा की पुत्रवधू सीमा मीणा ने बागी चुनाव लड़कर बीजेपी प्रत्याशी रितु नंदवाना को तीसरे नंबर पर धकेल दिया।किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कुशासन से जनता परेशान हो चुकी है। निकाय के उपचुनाव में वोट की चोट देकर जनता ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को जानकारी कर तीसरे नंबर पर पहुंचा दिया है। जिससे जयपुर में किए गए बीजेपी के विकास के दावों की पोल खुल गई है। आने वाले निकाय चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी जयपुर में अपना बोर्ड बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

बता दें कि नगर निगम हैरिटेज के वार्ड 63 में कुल 8 हजार 132 मतदाता है। जिनमें से बुधवार को पार्षद पद के उपचुनाव में सिर्फ 3745 (46.06 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इनमें भानु सैनी को 1358, सीमा मीणा को 1299 और रितु नंदवाना को 1062 वोट मिले है। जबकि 26 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया है। हालांकि चुनाव परिणाम आने के बाद भी कांग्रेसी पार्षद भानु सैनी का कार्यकाल सिर्फ कुछ महीनों का ही रहेगा। क्योंकि नगर निगम हैरिटेज के मौजूदा बोर्ड का कार्यकाल इसी साल नवंबर में खत्म होने जा रहा है।

झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद अस्पताल में प्रदर्शन मामले में नरेश मीणा को जमानत

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने झालावाड़ में स्कूल इमारत के गिरने की घटना के बाद स्थानीय अस्पताल में प्रदर्शन से जुड़े मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे नरेश मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता रजनीश गुप्ता और एफआर मीणा ने अदालत को बताया कि 25 जुलाई को झालावाड़ में सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिर गया था। जिसमें कुछ बच्चों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। इसके बाद अस्पताल के बाहर लोगों ने धरना और प्रदर्शन कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। याचिकाकर्ता भी वहां पहुंचा था। इस दौरान पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की और चिकित्सकों को इलाज से रोकने का आरोप लगाते हुए राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया लिया। जमानत याचिका में कहा गया कि मामले में याचिकाकर्ता को फंसाया गया है और यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने धरना देकर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की और चिकित्सकों को भी रोका। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि 25 जुलाई को झालावाड़ के पिपलौदी गांव में सरकारी स्कूल की छत ढहने से कुछ बच्चों की मौत हो गई थी।

विधानसभा में शाहपुरा अस्पताल पर हंगामा

- मंत्री के जवाबों पर विपक्ष ने उठाए सवाल

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । शाहपुरा उपजिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के निर्माण को लेकर गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। अस्पताल के लिए पहले से तय स्थान पर निर्माण न करवाकर नई जगह तलाशने और टेंडर रद्द करने के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को घेरा और उनके जवाबों को विरोधाभासी बताया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 में कांग्रेस सरकार के समय जो भूमि अस्पताल निर्माण के लिए प्रस्तावित की गई थी, वह पर्याप्त नहीं थी। जमीन कम होने के कारण पहले जारी निविदा निरस्त करनी पड़ी। अब उपयुक्त जमीन मिलने के बाद दोबारा टेंडर जारी किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने जिन परिस्थितियों में अस्पताल को मंजूरी दी, वे ही अब विवाद का कारण बन रही हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जिन पूर्व विधायकों के काम को आप गलत बता रहे हैं, वे अब आपकी ही पार्टी में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने भी मंत्री के जवाबों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 5 जुलाई को विधानसभा में दिए गए जवाब में मंत्री ने शाहपुरा अस्पताल की जमीन को उपयुक्त बताया था, अब वही जमीन गलत कैसे हो गई? उन्होंने यह भी पूछा कि इस निर्णय में स्थानीय विधायक से कोई राय क्यों नहीं ली गई।

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जवाब में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ भूमाफिया अब दानदाता बनकर अस्पताल को डीटीओ के पास ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले इन्हीं लोगों ने डीटीओ कार्यालय को मनचाही जगह शिफ्ट कराया, अब अस्पताल को भी वहां ले जाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रॉमा सेंटर जैसी सुविधा के लिए पर्याप्त भूमि की आवश्यकता है और तकनीकी दृष्टि से पुरानी जमीन उपयुक्त नहीं है। विपक्ष ने सरकार पर जनविरोधी निर्णय लेने का आरोप लगाया और कहा कि पहले की गई स्वीकृति को पलटकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। विपक्ष ने मांग की कि पुराने स्थान पर ही अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर का निर्माण हो, जिससे जनता को शीघ्र बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। वहीं सरकार ने दोहराया कि जैसे ही उपयुक्त भूमि का आवंटन होगा, निर्माण की प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी।

150 वर्ष पुराने रथ पर निकलेंगे श्री ठाकुर जी नगर भ्रमण पर

जयपुर। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को (भादवा तेरस) को ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार से श्री सियाराम जी की वार्षिक नगर परिक्रमा निकली जाएगी। जहां सांगानेरी गेट हनुमान जी के मंदिर में भरत मिलाप होगा।

मंदिर महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि इस रथ यात्रा की खास बात यह है इसमें श्री राम दरबार के सजीव स्वरूप बना कर ब्राह्मण बालकों को बैठाया जाता है । जिस रथ में श्री राम विराजते है वो रथ शुद्ध शीशम की लकड़ी से बना हुआ है और लकडी का जुड़ा, लोहे की कमानिया,जालियां इत्यादि बड़ी सुंदरता से बने हुए है। इस रथ को बैलों की जोड़ी खींचते है जो वर्षों से रामावतार साहू के घर से आ रहे है। रथ को रखने के लिए मंदिर बड़ा रथ खाना बना हुआ है ।ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार की शाम को रथ सज कर भरत और शत्रुघ्न को लेकर सात बजे सांगानेरी गेट हनुमान जी के मंदिर पहुंचेगा। वहां पर श्री राम जी का भरत मिलाप का अदभुत कार्यक्रम होगा। फिर भरत जी उनकी आरती और विनती करके उन्हें राजसी वेश धारण करवा के बैंड बाजे लवाजमे भक्त प्रजा जन के साथ मंदिर लेकर आयेंगे।

गौ-माता को अर्थव्यवस्था से जोड़ना सराहनीय कदम : कलराज मिश्र

जयपुर में गौ-महाकुंभ का शुभारंभ हुआ, 7 सितंबर तक जारी रहेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरुवार को देवराहा बाबा गौसेवा परिवार की ओर से गौ-महाकुंभ 2025 का शुभारंभ हुआ। यह महाकुंभ 7 सितम्बर तक चलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन से हुई। मुख्य अतिथि को शॉल ओढाकर बुके भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि, गाय को भारतीय संस्कृति में मां का दर्जा प्राप्त है उनको लेकर इस तरह के आयोजन होते हैं ये सराहनीय कदम है। इसी तरह गौ-माता को अर्थव्यवस्था से जोड़ना भी एक तरह से अच्छा कदम है। गौ महाकुंभ 2025 परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम है।

आध्यात्मिक प्रवक्ता सद्गुरु रितेश्वर महाराज ने कहा कि गाय हमारी सनातन संस्कृति का मुख्य आधार है। गाय का इतना बड़ा आयोजन करने वालों पर गौमाता की कृपा बरस रही है। जहां गौमाता से संबंधित कोई कार्य होता है उसमें किसी सहयोग की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि गौमाता के आशीर्वाद से ही सब कार्य पूर्ण हो जाते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसानों की मदद कर रहे हैं, ये सुनकर बहुत अच्छा लग रहा है। सदगुरु रितेश्वर महाराज ने इसके पूर्व में 33 करोड़ आहुतियों के संकल्प के साथ गौ पुष्टि महायज्ञ की शुरुआत की, जिसमें सवा लाख आहुतियां का कार्यक्रम चल रहा है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रचीन काल में हमारे पूर्वजों का प्रकृति नदी, पहाड और गौमाता से लगाव था। कृषि प्रधान देश होने के नाते भारत की कृषि में गौमाता का विशेष योगदान है। बैलों से सिंचाई कार्य होता था। आधुनिकता के इस दौर में कृषि क्षेत्र गौण होता चला गया इसी का परिणाम कि आज प्राकृतिक असंतुलन बढ़ रहा है। शारीरिक स्वास्थ्य खत्म होता जा रहा है परन्तु अब पुनःइसी कड़ी में पौराणिक संस्कृति की तरफ लौटने के लिए ये गौ महाकुंभ का आयोजन किया गया है। गौमाता के माध्यम से विभिन्न उत्पादों के सृजन का शोध भी किया जा रहा है। भारत सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राजस्थान सरकार भी इस दिशा में विशेष प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने पिछले बजट सत्र में जो किसान भाई बहन के माध्यम से खेती करेंगे उन्हें 25 हजार का अनुदान देने की घोषणा की है। निश्चित रूप से इससे गौ संरक्षण में वृद्धि होगी और भारत देश में खुशहाली का दौर वापस आएगा।

राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र और आध्यात्मिक प्रवक्ता सद्गुरु रितेश्वर महाराज ने जयपुर के विद्याधर नगर में गौ-महाकुंभ में शिरकत की।

- कृषि प्रधान देश भारत में गौमाता का विशेष योगदान, अब पुनः पुरानी संस्कृति की ओर लौटने की जरूरत : मंत्री झाबर सिंह खर्रा
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले बजट सत्र में घोषणा की थी, जो किसान गौवंश से खेती करेंगे उन्हें 25 हजार का अनुदान मिलेगा : यूडीएच मंत्री

देवराहा बाबा गौसेवा परिवार के राष्ट्रीय प्रचारक संजय शर्मा तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ सत्यप्रकाश वर्मा ने कहा गौ महाकुंभ में बताएंगे गौ संरक्षण किस तरह किया जाए। हम कई वर्षों से गौ संरक्षण पर काम कर रहे हैं लेकिन गाय केवल हमारे लिए गोशाला का विषय रह गई है। हमारा लक्ष्य उनसे दूर है। गाय का गौबर, दूध, गौमूत्र हमारे जीवन में बेहद उपयोगी जिनसे कपास, जैविक खाद, आधुनिक पशुपालन की तकनीक और गौ स्टार्टअप्स विकसित हो रहे हैं। इनकी जानकारी गौ महाकुंभ में दी जाएगी।आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और गौसेवक शंकर जी कहा कि देशी गाय के उपयोग से हम स्वस्थ और निरोगी रह सकते हैं। गाय के धार्मिक पहलू से हम पहले से अवगत हैं लेकिन आर्थिक पहलू पर ध्यान दिए बिना गाय का संवर्धन नहीं हो सकता है। गाय के विकास में एसबीआई भी हमारा सहयोगी जिसकी मदद से 2 से 10 करोड़ रुपये तक का लोन आसानी से मिल जाता है। डेयरी, फूड प्रोसेसिंग, पशुपालन किसी भी तरह का कार्य हो उसमें मदद मिल जाती है। कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव, वृंदावन से आए संजीव कृष्ण ठाकुर महाराज, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और गौसेवक शंकर, भाजपा के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, राजस्थान ग्रामीण बैंक के जनरल मैनेजर श्याम सिंह, एसबीआई के डीजीएम रविशंकर, शिवव्रत जी, गौ महाकुंभ के चेयरमैन डॉ लालसिंह,समन्वयक मृदुल शर्मा, सदस्य डॉ युद्धवीर सिंह बलवदा, डॉ अशोक कुमावत, एस. बी नवरंग , सुरेन्द्र अवाना, पूरण चौधरी, भरत राजपुरोहित , मनीष जैन समेत अन्य गणमान्य मौजूद थे।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर। कालवाड़ थाना इलाके में कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहीं विवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से झूल अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर बाद पिता अपने बेटी को बुलाने के लिए कमरे में पहुंचा तो मामले की जानकारी पता चला।

जिसके बाद पीड़ित पिता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जें में लिया और पोस्टमार्टम के लिए शव को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।पुलिस ने बताया कि मांचवा के नारी का बास निवासी ज्योति यादव (20) ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि 3 साल पहले ज्योति की शादी बिंदायका के रहने वाले योगेश यादव से हुई थी। शादी के बाद भी वह अपने पिता बाबूलाल के साथ रहकर कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह नाश्ता करने के बाद वह अपने कमरे में वापस चली गई। कमरे में जाने के बाद उसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली । करीब 2 घंटे बाद पिता बाबूलाल किसी काम से ज्योति को बुलाने के लिए कमरे में गए तो उन्हें ज्योति फंदे से लटकी मिली। पुलिस को मृतका के पास से किसी भी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अज्ञात कारणों की जांच करने में जुटी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चार दिनों से चल रहा बारिश का दौर गुरूवार को भी जारी रहा इस दौरान तेज हवाओं और बारिश से सवाईमानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर के बाहर एक विशाल पेड धराशायी हो गया जिसे काटकर मौके से हटाया गया।

सेवानिवृत मरीन इंजीनियर से डेढ़ माह में 1.86 करोड़ की ठगी

शातिरों ने शेयर बाजार में इंवेस्टमेंट के नाम पर ठगी की

- **ठगी का खेल पिछले डेढ़ माह से ज्यादा समय तक चला, आखिर रकम डूब गई**

जोधपुर, (कासं)। शहर के कमला नेहरू नगर प्रथम विस्तार में रहने वाले सेवानिवृत मरीन इंजीनियर को शातिरों ने अपनी ठगी का शिकार बनाते हुए 1 करोड़ 86 लाख की ठगी कर डाली। उन्हें शेयर बाजार में इंवेस्टमेंट के नाम पर ठगा गया। ठगी का खेल पिछले डेढ़ माह से ज्यादा समय तक चला आखिरकार रकम डूब गई। अब पीड़ित की तरफ से प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दी गई है।

मामले के अनुसार कमला नेहरू नगर प्रथम विस्तार में रहने वाले 75 वर्षीय मनोहर लाल मौसलपुरी ने रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि वे मरीन इंजीनियर थे तथा अभी रिटायर हो चुका हूं। 1 जुलाई को फोन पर इन्वेस्टमेंट नॉलेज से एक लिंक आया था। मैंने उसे पर मार्केट के लिए इस लिंक के साथ जुड़ गया, उसका एडमिन मुकेश शर्मा है। जिस पर उसने टीचिंग शुरू किया। यह सब व्हाट्सएप पर ही हो रहा था। 8 जुलाई को वह शेयर बाजार पर शेयर खरीदने की टिप्स देने लगा साथ में शाम को टीचिंग भी करता था। वह अपने आप को कालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर का चीफ बताया तथा वेबसाइट कैंटिलन कैप का चीफ बताया। उसने बताया कि वह कैंटिलन कैप के साथ ट्रेडिंग करता है। हर रोज शाम को टीचिंग भी करता था। 15 जुलाई को उसकी टीचिंग अच्छी लगी तब यह समाचार उसको व्हाट्सएप पर लिखे ग्रुप में काफी लोग जुड़े हुए थे और वे भी जुड़ गए। 18 जुलाई 2025 को उसने बताया कि ऑफेंस एंड डिफेंस नाम की किताब लिखी उसका 24 अगस्त 2025 को मुंबई में विमोचन होगा तथा उसका फोटो भी व्हाट्सएप ग्रुप पर आया तथा अपने आप को यूएसए से पीएचडी किया हुआ बताया।

उसने यह भी बताया कि भारत में सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक शेयर खरीदना तथा 9:15 बजे से 9:30 बजे तक बेच देना तथा अमेरिका के लिए शाम को 6 बजे से 6:30 बजे तक खरीदना और 6: 30 से 7 बजे तक बेचना शेयर खरीदने के टिप्स दिए थे। 21 जुलाई 2025 को उसने शेयर मार्केट में काम शुरू करना शुरू किया। 22 जुलाई 25 को अपनी असिस्टेंट मिस आर्या का इंट्रोड्यूस कराया, उसने कैंटिलन कैप जो सॉफ्टवेयर है कैसे डाउनलोड किया जाता है और उसको चलाने का तरीका व्हाट्सएप पर बताया। व्हाट्सएप पर कैसे अकाउंट खोलना कैसे रुपए जमा करना तथा निकालना तथा शेयर खरीदना और बेचना सब बताया। फिर मेरे को व्हाट्सएप पर लिंक के द्वारा कैंटिलन कप का सॉफ्टवेयर डाउनलोड किया लेकिन मुझे पता नहीं होने के कारण उसे मदद मांगी। उसने सॉफ्टवेयर के अंदर मेरा खाता खोला और मेरा खाता नंबर भी आया उसके लिए मैंने ड्राइविंग लाइसेंस को अपलोड करा 23 जुलाई 25 को आर्य ने सेबी का सर्टिफिकेट व इंग्लैंड का शेयर बाजार का सर्टिफिकेट भेजा। सभी को देखकर मैने भी शेयर खरीदने का मन बना लिया था और फिर मैंने पहले ट्रांजैक्शन 23 जुलाई को मैंने फोन पे द्वारा पहली बार में 70000 ट्रांसफर किया। कुछ दिनों तक चले इस खेल में मेरे उस ट्रेडिंग अकाउंट 2.94 करोड़ का हो गया। रुपए निकालने के लिए सोचा तब मैं डेढ़ करोड़ निकालने के लिए आवेदन करा। ऑनलाइन मुझे यह बताया गया 24 घंटे बाद रुपए बैंक में आएगा ।शनिवार रविवार को छुट्टी थी और फिर 15 अगस्त की छुट्टी थी।

बैंक से पता चला कि रुपए आए नहीं साथ ही शेयर खरीदने का काम सुबह शाम चल रहा था। फिर 19 अगस्त 25 को डेढ़ करोड़ रुपये और निकालने के लिए अप्लाई करा इस प्रकार 2.5 करोड़ रुपए निकालने लगा। ऑनलाइन इस समय मेरा बैलेंस उसे अकाउंट में 3.1658953 करोड़ था 19 अगस्त 25 को जब रुपए मेरे अकाउंट में नहीं ट्रांसफर करे तब मैंने आर्या को समाचार किया तो उसने उसका जवाब आया इनकम का सोर्स ज्यादा है। इस कारण आपको टैक्स देना पड़ेगा। मिस आर्या ने बताया कि 15 टैक्स के हिसाब से 41.66090 लाख जमा करवाने पर ही आपको रुपए मिलेगा। तब आर्या को कहा कि मेरे पास इतनी रकम नहीं है तो उसने 20 लाख रूपए जमा कराने को कहा। पीड़ित मरीन इंजीनियर ने अपनी बेटी, बेटी दामाद सहित अन्य रिश्तेदारों का सहयोग लेकर रूपए जमा कराए थे। इस तरह उनके साथ एक करोड़ 86 लाख की ठगी हुई।

अजय झामरी हत्याकांड में युवक को आजीवन कारावास

- **साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 50 हजार का अर्थदंड लगाया है**
- **आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ गोली मारकर अजय की हत्या की थी**
- **अजय का भाई जब उसे बचने के लिए गया तो, उन्होंने प्रिंस पर भी फायरिंग की थी**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के चर्चित अजय झामरी हत्याकांड में एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 50 हजार का अर्थदंड लगाया है। आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ गोली मारकर अजय की हत्या की थी। अजय का भाई जब उसे बचने के लिए गया तो, उन्होंने प्रिंस पर भी फायरिंग की थी।

लोक अभियोजक नरेश सैन ने बताया कि प्रिंस निवासी झामरी गांव ने अटलबंद थाने में 27 अगस्त 2023 को मामला दर्ज करवाते हुए बताया था कि मेरा अजय मेरे भाई का दोस्त गौरव निवासी झामरी हीरादास स्थित एक थड़ी पर चाय पी रहे थे। अजय को कई दिनों से तेजवीर, कौशल हंतरा, सचिन मडरपुर, हेमू बिनउआ जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। कुछ दिनों पहले भी अजय पर इन्हीं ने जानलेवा हमला भी किया था। जिसकी रिपोर्ट मथुरा गेट थाने में दर्ज करवाई गई थी। 27 अगस्त को उस केस की तारीख थी। प्रिंस और उसका भाई अजय भरतपुर आये हुए थे। अजय के भाई को भी मारने की कोशिश की थी। उसी रंजिश के चलते एक नाबालिग युवक, तेजवीर सहित और अन्य युवक चाय की थड़ी पर आये। उनके हाथों में हथियार थे।

आते ही वह हम सभी को गालियां देने लगे। वह सभी अजय को मारने के लिए आगे बढ़े। प्रिंस ने जब अपने भाई को बचाने की कोशिश की तो, बदमाशों ने प्रिंस को धक्का देकर गिरा दिया, जिसके बाद नाबालिग युवक ने अजय के ऊपर फायर कर दिया। प्रिंस ने जब अजय को बचाने की कोशिश की तो, बदमाशों ने प्रिंस के ऊपर भी फायर कर दिया। बड़ी मुश्किल से प्रिंस ने अपनी जान बचाई। फायरिंग करने वाले तीनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। इस मामले का कोर्ट में चालान पेश किया गया। केस में 24 गवाह और 50 दस्तावेज पेश किए गए। नाबालिग को दोषी मानते हुए जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने आजीवन कारावास और 50 हजार का अर्थदंड लगाया है।

अखिल भारतीय समन्वय बैठक पांच सितम्बर से

अखिल भारतीय समन्वय बैठक के बारे में संघ पदाधिकारियों ने मीडिया को जानकारी दी।

- **बैठक में जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर होगी चर्चा**
- **बैठक में 32 संगठनों के लगभग 320 पदाधिकारी एवं महिला कार्यकर्ता भाग लेंगे**

जोधपुर/जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से संचालित विभिन्न संगठनों की अखिल भारतीय समन्वय बैठक आगामी 5 से 7 सितम्बर तक जोधपुर के लालसागर में आयोजित होगी। बैठक में 32 संगठनों के लगभग 320 पदाधिकारी एवं महिला कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त चक्रधर, अतुल लिमये, आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान संगठनों का वार्षिक कार्यवृत्त प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें वर्षभर की गतिविधियों और उपलब्धियों का विवरण रहेगा। प्रमुख संगठनों में एबीवीपी, भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, विद्या भारती और सक्षम शामिल हैं। बैठक में पंजाब, बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों पर विशेष चर्चा होगी। साथ ही पंच परिवर्तन - सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवन, स्व आधारित रचना और नागरिक कर्तव्य पालन - जैसे विषयों पर भी विमर्श किया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संगठनों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी और शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देने पर विचार किया जाएगा। जनजातीय समाज में हो रहे सकारात्मक बदलावों और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष (2025-26) की कार्यक्रम रूपरेखा पर भी चर्चा होगी। 2 अक्तूबर को नागपुर से विजयादशमी उत्सव की शुरुआत होगी, जो मंडल, ग्राम और बस्ती स्तर तक गणवेशधारी स्वयंसेवकों द्वारा मनाया जाएगा। इस दौरान देशभर में हिन्दू सम्मेलन, गृह सम्पर्क, सद्भाव बैठकें, प्रमुख नागरिक गोष्ठियां और युवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गौरतलब है कि यह बैठक निर्णय के लिए नहीं, बल्कि संगठनों के बीच चर्चा, अनुभव साझा करने और समन्वय बढ़ाने का मंच होती है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित सरसंघचालक के कार्यक्रम के संदर्भ में, समाज के सभी वर्गों तक संघ विचारों को पहुँचाने के प्रयासों को नई गति देने का यह अवसर माना जा रहा है।

जवाई बांध 58.30 फीट पर पहुंचा

- **बांध की भराव क्षमता 61 फीट है, कभी भी खुल सकती है बांध की फाटकें**

पाली, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध जवाई बांध अपनी भराव क्षमता के करीब पहुंच गया है। गुरुवार शाम को 58.30 फीट रहा, इसकी भराव क्षमता 61 फीट है, प्रशासन अलर्ट हो गया है, कभी भी बांध की फाटक खोल सकते हैं। जवाई बांध की सहायक बेड़ा नदी भी चल रही है और सही बांध से भी पानी आ रहा है।

इधर किसान संघर्ष समिति भी सिंचाई के लिए पानी के लिए बैठके कर रही है, बांध पूर्णता भरने पर किसानों को तीन से 4 पान पानी मिलता है। इधर गुरुवार को भी जिले में बारिश का दौर जारी रहा, रोहट जालौर मार्ग पर रेडियो नदी वेग से बह रही है। 4 फीट पानी भरने से करीब 14 घंटे सड़क मार्ग बंद रहा। आज भी 2 फीट पानी बह रहा है। मार्ग पर तो भी लोग जोखिम डालकर पानी में से निकल रहे हैं। वहीं पाली के निकट सोनाई माझी गांव की नदी में एक बाइक सवार फिसल कर बह गया। पाली के हेमावास बांध, सरदार समंद बांध गजनी बांध, सहित आधा दर्जन से अधिक बांधों पर चादर चल रही है।

अलवर में अवैध धर्मांतरण का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

- **जांच में सामने आया कि संस्था का मैनेजमेंट और फंडिंग चेन्नई की एफ.एम.पी.बी. संस्था की ओर से किया जाता है**
- **पुलिस को सूचना मिली कि सैय्यत कॉलोनी गोलेटा स्थित फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड हॉस्टल में विद्यार्थियों को अवैध धर्मांतरण कराया जा रहा है**
- **आरोपी गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा और निवास की सुविधा देने का लालच देकर क्रिश्चियन धर्म की शिक्षाएं प्रदान करते थे**

अलवर, (निसं)। अलवर थाना उद्योग नगर पुलिस ने अवैध धर्मांतरण के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि इस संस्था का मैनेजमेंट और फंडिंग चेन्नई की एफ.एम.पी.बी. संस्था की ओर से किया जाता है।

थाना उद्योग नगर पुलिस को सूचना मिली कि सैय्यत कॉलोनी गोलेटा स्थित फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड हॉस्टल में विद्यार्थियों को अवैध धर्मांतरण कराया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बच्चों से बातचीत की गई और हॉस्टल में मौजूद रिकॉर्ड की जांच की गई। जांच में सामने आया कि संस्था गरीब बच्चों को शिक्षा के साथ क्रिश्चियन धर्म की शिक्षा भी देती है और हिंदू व सिख धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बातें सिखाती है। इस पर मौके पर मौजूद विजेंद्र सिंह खंडेलवाल ने धार्मिक भावनाएं आहत करने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बच्चों से सादे वस्त्रों में बातचीत कर वीडियो रिकॉर्ड की गई। उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर दो आरोपियों बोधर अमृत निवासी गुजरात सोहन सिंह निवासी अलवर को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा और निवास की सुविधा देने का लालच देकर क्रिश्चियन धर्म की शिक्षाएं प्रदान करते थे, साथ ही मूल धर्मों के विरुद्ध गलत बातें सिखाकर धर्मांतरण कराने का प्रयास करते थे। जांच में सामने आया कि इस संस्था का मैनेजमेंट और फंडिंग चेन्नई की एफ.एम.पी.बी. संस्था की ओर से किया जाता है। इससे पहले भी इस संस्था से जुड़े कई लोग (सैल्वम निवासी तमिलनाडु, मलकीत सिंह निवासी बांधोली, सतीश निवासी गोविंदगढ़ व अन्य) अवैध धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार हो चुके हैं और जमानत पर हैं। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी दी कि यह कार्रवाई आईपीएस कांबले शरण गोपीनाथ (सहायक पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय), आरपीएस सुनील प्रसाद शर्मा (वृत्ताधिकारी, रामगढ़) और थानाधिकारी अजीत सिंह बडसरा के नेतृत्व में की गई।

आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त

- **हादसे में मकान के भीतर सो रही बुजुर्ग महिला बाल-बाल बची**
- **घटना के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और महिला को बाहर निकाला**

भरतपुर, (निसं)। कुम्हेर क्षेत्र के गांव बैलारा खुर्द में आकाशीय बिजली गिरने से दो मंजिला मकान क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि मकान के अंदर सो रही बुजुर्ग महिला बाल-बाल बच गई। घटना के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

पीड़ित रूपसिंह पुत्र भगवानसिंह ने बताया कि दूसरे मकान में मां अकेली सो रही थी और अलसुबह मकान पर आकाशीय बिजली गिरी जिससे पूरा मकान क्षतिग्रस्त हो गया। मकान के अंदर रखा पूरा सामान भी टूट गया, लेकिन गनीमत रही कि पट्टी और दीवार गिरने से मां बाल-बाल बच गई। आवाज सुनकर मैं और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मां को सुरक्षित बाहर निकाला। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। हम लोग भी मेहनत मजदूरी कर अपना पालन पोषण कर रहे हैं। जिला प्रशासन से अपील की है कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर मुआवजा दिया जाए जिससे आर्थिक भार न सहन करना पड़े।

दस हजार रूपये की रिश्वत लेते दो अधिकारी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी कोटा इकाई ने गुरूवार को जिला झालावाड़ के महिला एवं बाल विकास अधिकारी उपनिदेशक सत्यनारायण नावरिया व झालावाड़ के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग के हरिओम रावत को दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी कोटा को एक शिकायत मिली कि परिवादी का प्राईवेट वाहन कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग झालावाड़ में जनवरी से मई 2025 तक अनुबंधित था, तत्संबंधित भुगतान का बिल स्वीकृत करने के लिये अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी हरिओम रावत एवं उक्त कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार देख रहे उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास अधिकारी झालावाड़ सत्यनारायण नावरिया द्वारा परिवादी से रिश्वत की मांग की गई थी। रिश्वत नहीं देने की स्थिति में परिवादी के विरूद्ध रिकवरी (पुनर्भुगतान) निकाल देने तथा भविष्य में परिवादी का वाहन विभाग में अनुबंधित नहीं करने की धमकी देकर परेशान किया जा रहा है एवं दस हजार रूपये की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा के सुपरविजन तथा एसीबी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में पुलिस उपअधीक्षक एसीबी अनिष अहमद द्वारा ट्रेप कार्यवाही कर आरोपी सत्यनारायण नावरिया एवं हरिओम रावत को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

शादी वाले घर से 16 लाख की नगदी और 25 लाख के जेवर चोरी

- **परिवार के लोग घर से करीब तीन-चार किलोमीटर दूर रिसोर्ट में शादी के कार्यक्रमों में व्यस्त थे, घर आने पर चोरी का पता चला**
- **जिस मकान में चोरी की वारदात हुई, वहां से धर्माणा पुलिस चौकी भी करीब 200 मीटर दूरी पर स्थित है**

सीकर, (निसं)। सीकर के कोतवाली थाना इलाके में धर्माणा चौकी से 200 मीटर दूर दिनदहाड़े शादी वाले घर से 16 लाख की नगदी और 25 तोला सोने के जेवरात चोरी हो गए। परिवार के लोग घर से करीब 3-4 किलोमीटर दूर रिसोर्ट में शादी के कार्यक्रमों में थे। घर आने पर चोरी का पता चला। घटना के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया है।

जानकारी के अनुसार रामपुरा रोड स्थित दुर्गा कॉलोनी वार्ड 23 में हरिचंद्र नेभनानी का घर है। उनके बेटे लक्ष्य की आज शादी है। शादी समारोह के कार्यक्रम सांवली रोड पर कॉमर्स कॉलेज के सामने स्थित कल्याणम रिसोर्ट में हो रहे हैं। ऐसे में बुधवार को परिवार के सभी लोग वहां पर थे। देर रात जब परिवार के कुछ सदस्य घर पर आए तो ताले टूटे मिले। गेट का ताला टूटा हुआ था, जिसके पास एक सरिया भी रखा था। घर के एक कमरे में रखी तिजोरी के ताले टूटे मिले। हरिचंद्र के बेटे छोटे हिमांशु ने बताया कि चोर तिजोरी में से 16 लाख नगद और 25 लाख रुपए के जेवरात चोरी करके ले गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

जिस मकान में चोरी की वारदात हुई वह मकान आबादी इलाके में स्थित है। मकान मालिक की सीकर में बड़ी बेकर्स शॉप है। इनके घर के आस-पास भी काफी मकान है लेकिन मकान को सूना देखकर चोरों बुधवार के दिन ही चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया।

अंदेशा है कि दीवार फांदकर चोर घर में घुसे हो, मकान में ओर जगह भी रुपए रखे हुए थे, लेकिन चोरों ने उन्हें छेड़ा तक नहीं। जहां चोरी की वारदात हुई, वहां से धर्माणा पुलिस चौकी भी करीब 200 मीटर दूरी पर स्थित है।

गौरतलब है कि इससे पहले सीकर में 8 से 9 महीने के भीतर अजीतगढ़,खाटूश्यामजी सदर और उद्योग नगर इलाके में एटीएम लूट की वारदात हो चुकी है। पुलिस इन मामलों को आज तक नहीं खोल सकी है। इसके अलावा लगातार बढ़ती बाइक चोरी जैसे मामलों में भी पुलिस को बड़ी लीड नहीं मिली है। सीकर में लगातार वीआईपी मूवमेंट और पुलिस जाब्ते की कमी भी इसका एक कारण है। इधर, दुर्गा कॉलोनी में हुई चोरी के मामले में सीकर कोतवाल सुनील कुमार जांगिड़ का कहना है कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमों का गठन किया गया है, जो अब आरोपियों की तलाश कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ता के घर बदमाशों का हमला

बीकानेर, (निसं)। यहां बदमाशों ने भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला कर दिया। महिलाओं को बाल पकड़कर घसीटा और घर से बाहर धक्का दिया। कार्यकर्ता के पिता और परिवार के बच्चों से भी मारपीट की। यही नहीं, पिकअप से टक्कर मारकर घर की दीवार तोड़ दी। पत्थरबाजी भी की। मामला नाल थाना क्षेत्र के करमीसर गांव में देर रात 11 बजे का है।

भाजपा कार्यकर्ता शिव पंवार और उनके परिवार से मारपीट की घटना के बाद विधायक जेठानंद व्यास भी मौके पर पहुंचे। उनका कहना है कि यह हमला भू-माफिया राधेश्याम आर्य ने करवाया है। पुलिस ने मामले में सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से एक को गिरफ्तार किया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। आरोप है कि बदमाशों ने घर की महिलाओं को बुरी तरह से पीटा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता की भाभी सपना के बाल पकड़कर बाहर की तरफ धकेला। सपना को बचाने आई वीनू देवी को भी बदमाशों ने घसीटा और घर के बाहर धक्का दे दिया। बदमाश लाठी-डंडे लेकर आए थे। घर की महिलाओं से लेकर बच्चों तक पर हमला किया। पत्थर फेंक कर परिवार के लोगों को घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ता शिव पंवार के करमीसर में दो बाड़े हैं। यहीं पर उनका परिवार रहता है। राधेश्याम आर्य का दावा था कि ये जमीन उनकी है। इस विवाद के बाद शिव पंवार इस जमीन पर स्टे लेकर आ गए थे। बताया जा रहा है कि पिछले दो दिन से इनमें विवाद चल रहा था। शिव ने विधायक को सुबह कॉल कर इसके बारे में जानकारी दी थी। देर रात पिकअप में बदमाश आए और घर पर हमला कर दिया। इस दौरान आधे घंटे तक बदमाशों ने घर में तोड़फोड़ की। पिकअप से घर की दीवार को टक्कर मारकर गिरा दिया। जब घर की महिलाएं और शिव के पिता बीच-बचाव करने आए तो बदमाशों ने उन पर भी हमला किया। घर की महिलाओं को बाल पकड़ कर धकेला। वहीं पिता पर ईंट से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस घटना के बाद परिवार के लोग डरे हुए हैं। शिव पंवार के भाई की पत्नी सोनू पंवार का कहना है कि बदमाशों ने घर की महिलाओं और बच्चों को भी पीटा। शिव पंवार के भाई की पत्नी सोनू पंवार ने बताया कि हम खाना खा रहे थे। सभी बदमाश पीछे से घर के अंदर आए। पापा-मम्मी से मारपीट करने लगे। मेरे जेठ को भी पीटा। दोनों के सिर से खून निकलने लगा। इसके साथ मेरी दो जेठानी से भी मारपीट की। मुझे कुछ नहीं पता कि ये सब कैसे हुआ। मैं जेठानियों को बचाने गई तो मुझे भी उठाकर फेंक दिया। इसके बाद कमरे में घुसकर बच्चों को भी मारने लगे। मैं उसका नाम नहीं जानती, लेकिन बच्चों को भी उसने पीटा।

वहीं शिव पंवार ने बताया कि इस हमले में मेरी पत्नी सुनीता को गंभीर चोट लगी है। परिवार में भाभी सपना, भाई गणेश, पिता फागूराम के साथ वीनू, राधिका, कमल और पुष्पा देवी को चोट आई है। शिव पंवार का आरोप है कि बदमाशों ने बच्चों शुभम, हेमंत, मिष्ठी और राधेश्याम को भी पीटा। उनके भी चोट आई है।

नाल थानाधिकारी विकास बिश्नोई ने बताया कि पुलिस ने ओमप्रकाश गोदारा, राधेश्याम, मोहनलाल जाट, गणेशाराम, सुभाष समेत 7 लोगों के खिलाफ ईर्ई दर्ज की है। ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है। शेष की तलाश जारी है। गौरतलब है कि इससे पहले मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में भी एक घर पर बदमाशों ने रात में हमला कर दिया था। इसके भी वीडियो सामने आए। दोनों पक्षों ने मामला दर्ज कराया, लेकिन पुलिस अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है।

नर्सिंग कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने जमकर हंगामा किया

- **नाराज छात्रों ने कॉलेज के गेट पर ताला जड़ दिया, जाम लगाया**

अलवर, (निसं)। अलवर के प्राइवेट संवर्धन ऑफ नर्सिंग कॉलेज में गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने जमकर हंगामा किया। नाराज छात्रों ने कॉलेज के गेट पर ताला जड़ दिया। इसके बाद छात्र जिन्दौली घाटी की मुख्य सड़क पर उतर आए और पत्थर व लकड़ियां रखकर करीब एक घंटे तक जाम लगाया। इससे करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। बाद में पुलिस-प्रशासन की समझाइश के बाद जाम खुलवाया गया। इस दौरान कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि एडमिशन के समय कॉलेज प्रशासन ने झूठ बोलकर कहा था कि संस्थान इंडियन नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त है, जबकि असलियत में कॉलेज को सिर्फ राजस्थान नर्सिंग काउंसिल की ही मान्यता मिली हुई है। छात्र ने बताया कि हमने आईएनसी मान्यता के भरोसे पर एडमिशन लिया था, लेकिन अब जब हम प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष ईयर तक पढ़ चुके हैं तो कॉलेज प्रशासन कह रहा है कि आईएनसी से मान्यता मिली ही नहीं। यह हमारे साथ खुला धोखा है। इससे छात्र केंद्र से जुड़े एग्जाम भी नहीं दे सकते।

बलात्कार प्रकरण में आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस ने बलात्कार मामले में फरार आरोपी को पकड़ा। वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत के नेतृत्व में थाना मोर की विशेष टीम ने 28 अगस्त से फरार आरोपी गोविन्द उर्फ गुड्डु पुत्र हंसराज उर्फ डाक्टर को थाना मोर के दर्ज बलात्कार प्रकरण के खिलाफ गिरफ्तार किया। जिसे आज न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में रखने के आदेश के बाद उसे जिला कारागृह टोंक मे दाखिल किया यगा। पुलिस द्वारा प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

बीकानेर से फिर उड़ान भरेगी एलाइंस एयर की फ्लाइट

बीकानेर, (निसं)। नाल एयरपोर्ट से दिल्ली वायां जयपुर उड़ान भरने वाली एलाइंस एयर की फ्लाइट अब एक बार फिर यात्रियों के लिए शुरू होने जा रही है। लंबे समय से अनियमित रहने और ठप होने के बाद कंपनी ने इसकी औपचारिक घोषणा की। एलाइंस एयर के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब यह सेवा नए शेड्यूल और टाइम टेबल के अनुसार संचालित होगी, जिससे हवाई यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि जून के आखिरी सप्ताह से एलाइंस एयर की उड़ानें रेगुलर नहीं चल रही थीं, जिसके कारण यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। नए शेड्यूल से बीकानेर के हवाई यात्रियों को फिर से दिल्ली और जयपुर के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिल सकेगी। यह रूट छात्रों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए काफी सुविधाजनक माना जाता है। फ्लाइट संख्या 833 (मंगलवार)- दिल्ली से दोपहर 3.45 बजे जयपुर रवाना होगी, जो जयपुर 4.50 बजे पहुंचेगी। जयपुर से 5.15 बजे बीकानेर रवाना होगी, जो बीकानेर 6.30 बजे पहुंचेगी। फ्लाइट संख्या 834 (मंगलवार)- बीकानेर से शाम 6.55 बजे रवाना हागी, जो जयपुर 8.10 बजे पहुंचेगी। जयपुर से 8.35 बजे दिल्ली रवाना होगी जो दिल्ली 9.40 बजे पहुंचेगी। फ्लाइट संख्या 833 (गुरुवार)- जयपुर से दोपहर 1.35 बजे रवाना होगी, जो बीकानेर 2.50 बजे पहुंचेगी। फ्लाइट संख्या 834 (गुरुवार)- बीकानेर से दोपहर 3.15 बजे रवाना होगी जो जयपुर शाम 4.35 बजे पहुंचेगी। जयपुर से यहीं फ्लाइट शाम 5 बजे रवाना होगी, जो दिल्ली 6.05 बजे पहुंचेगी।

गोल्फ पेशेवर खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श मनोरंजन गतिविधि हो सकती है क्योंकि यह बहुत आरामदायक है, इससे उन्हें तनावमुक्त होने और अपने मुख्य खेल में तरोताजा होने का मौका मिलता है। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, गोल्फ के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित मिश्रा

भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कह दिया है। इसके साथ ही उनके 15 साल से अधिक के करियर पर विराम लग गया। भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेलने वाले 42 वर्ष के मिश्रा 2024 तक आईपीएल खेले हैं। अमित मिश्रा ने कहा कि बार-बार लगने वाली चोटों और युवाओं को मौके देने के कारण उन्होंने क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। मिश्रा ने 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और सभी प्रारूपों में 156 विकेट लिए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन जड़ दिए थे।

सुरुचि सिंह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 4 सितंबर। इस वर्ष शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की सुरुचि सिंह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में विश्व में नंबर वन निशानेबाज बन गई है। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) द्वारा बुधवार को जारी ताजा अपडेट के अनुसार इस साल की शुरुआत में सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने के बाद 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 4162 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व में नंबर वन रैंकिंग हासिल की। चीन की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन ने 3195 अंकों के साथ इस वर्ग में दूसरे तथा चीन की वेई कियान 2178 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

शानदार फॉर्म में चल रही सुरुचि सिंह ने हाल ही में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित और महिला टीम स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने इस साल म्यूनिख, लीमा और ब्यूनस आयर्स में हुए तीनों आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा लीमा में 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

इस बीच, दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, जिन्होंने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था, 1988 अंकों के साथ इस वर्ग में छठे स्थान पर हैं। 25 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में मनु भाकर 1800 अंकों के साथ चौथे तथा हमवतन ईशा सिंह 1512 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं।

पिछले महीने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा 3034 अंकों के साथ इस वर्ग में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि आशी चौकसे 1277 अंकों के साथ 10वें स्थान पर हैं। दो बार की ओलंपियन नॉर्वे की जीनेट हेग डुएस्टेड 3320 अंकों के साथ महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।

आईपीएल सहित प्रीमियर खेलों के प्रशंसकों को जीएसटी का झटका

नई दिल्ली, 4 सितंबर। सरकार के वस्तु एवं सेवा कर सुधार के कदम के तहत कैसिनो, रेस क्लब और इंडियन प्रीमियर लीग जैसे प्रीमियम खेलों के आयोजनों पर जीएसटी दर को 28 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत किये जाने से खेल प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। नई टैक्स व्यवस्था तहत आईपीएल को प्रीमियर स्पोर्ट्स स्पर्धा में रखा है। इसके तहत टैक्स कैसिनो, रेस क्लब और आईपीएल जैसे प्रीमियम खेल आयोजनों पर अब 40 प्रतिशत जीएसटी देय होगा। इस फैसले के तहत अब आईपीएल मैच की टिकट पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे अब 1000 रुपये का टिकट पहले की अपेक्षा 120 रूपये महंगा यानी 1400 रुपये में मिलेगा। लेकिन सामान्य क्रिकेट मैचों के टिकटों पर जीएसटी 18 प्रतिशत ही रहेगा। यानी भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया या भारत बनाम इंग्लैंड जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले देखने वालों पर टैक्स का ये नया बोझ नहीं आएगा।

ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारी से वेस्ट जोन बड़े स्कोर की ओर

बेंगलुरु, 4 सितंबर। ऋतुराज गायकवाड़ (184) की शतकीय और तनुष कोटियान (नाबाद 65) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर वेस्ट जोन ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ छह विकेट पर 363 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिया है। आज यहां वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट जोन की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट 10 रन के स्कोर पर गंवा दिये। यशस्वी जायसवाल (चार) और हार्दिक देसाई (एक) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्य देसाई और ऋतुराज गायकवाड़ की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई। 27वें ओवर में हर्ष दुबे ने आर्य देसाई (39) को आउट कर साझेदारी का अंत किया। श्रेयस अय्यर (25) और शम्स मुलानी 18 रन बनाकर आउट हुये। इस दौरान ऋतुराज गायकवाड़ एक छोर थामे लगातार रन बनाते रहे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये तनुष कोटियान ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ छठे विकेट के लिए 148 रन जोड़े। 75वें ओवर में सारांश जैन ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे ऋतुराज गायकवाड़ को विकेटकीपर उपेंद्र यादव के हाथों स्टंप आउट कराकर वेस्ट जोन को बड़ा झटका दिया। ऋतुराज गायकवाड़ ने 206 गेंदों में 25 चौके और एक छक्का लगाते हुए 184 रनों की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने के समय वेस्ट जोन ने छह विकेट पर 363 रन बना लिये है। तनुष कोटियान (नाबाद 65) और कप्तान शार्दुल ठाकुर (नाबाद 24) क्रीज पर मौजूद थे। सेंट्रल जोन की ओर से खलील अहमद और सारांश जैन ने दो-दो विकेट लिये। दीपक चाहर और हर्ष दुबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमीन पठान ने किया खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री अमीन पठान ने आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा नेता, प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कई कांग्रेस विधायकों की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा गांधी भवन पर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे पीसीसी मुख्यालय के बाहर हुए विशाल समारोह मे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने अमीन पठान को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि पठान कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेंगे और खेल और खिलाड़ियों के हितों के लिए भाजपा की इस निकम्मी सरकार को सबक सिखाने के लिए सड़कों पर संघर्ष करेंगे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा की सरकार ने अमीन पठान को बेवजह प्रताड़ित किया और इन पर कई तरह के मुकदमे लगा दिए लेकिन यह डरे नहीं और इस निकम्मी नफरती सरकार से डट कर मुकाबला कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि अमीन पठान अकेला नहीं है पूरी कांग्रेस पार्टी उसके साथ खड़ी है इस भाजपा की सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

भारत 14 अक्टूबर को मडगांव में सिंगापुर से भिड़ेगा

मडगांव, 4 सितंबर। भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम एएफसी एशिया कप 2027 फाइनल राउंड क्वालीफायर में 14 अक्टूबर को मडगांव स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सिंगापुर के खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारत और सिंगापुर के बीच डबल लेग मुकाबला नौ अक्टूबर को सिंगापुर के नेशनल स्टेडियम में शुरू होगा, जिसके पांच दिन बाद गोवा में रिटर्न लेग होगा।

अक्टूबर के मैच भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारतीय टीम वर्तमान में अपने शुरुआती दो मैचों में केवल एक अंक के साथ ग्रुप सी में सबसे निचले पायदान पर है। टीम पर एएफसी एशिया कप सऊदी अरब 2027 की दौड़ में बने रहने के लिए मजबूत प्रदर्शन करने का दबाव है। गोवा में भारत का फुटबॉल सफर मिला-जुला रहा है। यह राज्य में खेला जाने वाला 17वां सीनियर पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। 2017 एशियाई कप क्वालीफायर में म्यांमार ने भारत को 2-2 से बराबरी पर रोका था। ब्लू टाइगर्स इससे पहले गोवा में सिंगापुर से भिड़ चुके हैं। राज्य में भारत का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच ड्रॉ और छह हार का है। सिंगापुर के मैचों के बाद भारत 18 नवंबर को ढाका में बंगलादेश से भिड़ेगा और 31 मार्च 2026 को घरेलू मैदान पर हांगकांग की मेजबानी करेगा।

नए जीएसटी प्रावधान से महंगे होंगे आईपीएल टिकट

नई दिल्ली, 4 सितंबर। मैदान में जाकर आईपीएल देखना अब और महंगा हो गया है क्योंकि भारत सरकार ने आईपीएल टिकटों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 28 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी करने का फैसला किया है। एक हजार रुपए के बेस प्राइस वाले टिकट का जीएसटी के साथ अंतिम दाम अब 1280 से बढ़कर 1400 रुपए हो जाएगा। इस बढ़ोतरी के साथ आईपीएल अब जीएसटी के सबसे बड़े ब्रैकेट में आ गया है जिसमें कैसिनो, रेस क्लब या कोई भी ऐसी जगह जहां कैसिनो या रेस क्लब होते हैं, शामिल हैं। हालांकि देश में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने जाने वालों के लिए राहत की संभावना है। इन मैचों के टिकटों पर आईपीएल टिकटों के समान ही 28 जीएसटी लगता था, लेकिन अब यह स्लैब हटा दिया गया है।

प्रेस सूचना ब्यूरो के सर्कुलर में, कर की दर में बदलाव की जानकारी देते हुए, केवल "आईपीएल जैसे खेल आयोजनों" का ही जिक्र है। वित्तीय और व्यावसायिक प्रकाशनों ने इसका अर्थ यह निकाला है कि अन्य क्रिकेट मैच अब अन्य "मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों" की श्रेणी में आ सकते हैं। अभी तक अन्य मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों के 500 रुपये से अधिक मूल्य के टिकटों पर 18 जीएसटी लगता आया है। 500 रुपए से कम मूल्य के टिकट जीएसटी से मुक्त हैं। इसलिए निकट भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय मैचों और राज्य द्वारा संचालित अन्य लीगों के टिकट सस्ते हो सकते हैं। वर्तमान में यदि किसी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के टिकट का बेस प्राइस 1000 रुपए है, तो करों को शामिल करने के बाद इसकी कीमत 1280 रुपए हो जाती है।

यह बदलाव 22 सितंबर से प्रभावी होंगे, जो भारत में होने वाले अगले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन, महिला विश्व कप के शुरू होने से एक हफ्ता पहले है। इस आयोजन के टिकटों की बिक्री अभी शुरू नहीं हुई है। टूर्नामेंट के उद्घाटन से ठीक एक महीने पहले 30 अगस्त को आईसीसी ने प्रशंसकों से "अपनी रुचि दर्ज कराने" के लिए कहा था ताकि "यह सुनिश्चित हो सके कि आपको नवीनतम समाचार और टिकट संबंधी जानकारी सीधे आपके इनबॉक्स में सबसे पहले मिले।"

दोस्त को हराकर सिनर सेमीफाइनल में

न्यूयार्क, 4 सितम्बर। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने बुधवार को यूएस ओपन में एक और लगभग बेदाग प्रदर्शन किया, जहाँ उन्होंने पहले इतालवी पुरुष मेजर क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन लोरेंजो मुसेट्टी को 6-1, 6-4, 6-2 से हराया। अलेक्जेंडर बुब्लिक को चौथे दौर में हराने के बाद, सिनर ने मुसेट्टी को शानदार अंदाज़ में हराया।

युवराज सिंह ने आईजीपीएल टूर का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 4 सितंबर। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) भारतीय गोल्फ जगत में क्रांति लाने के लिए तैयार है। आईजीपीएल टूर एक अग्रणी पेशेवर सर्किट है जिसमें पुरुष और महिला दोनों एक ही मंच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह ने आज यहां आईजीपीएल टूर का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में आईजीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी, एशियन टूर के टूर कमिश्नर/सीईओ चो मिन थांट, भारतीय महिला गोल्फ संघ (डब्ल्यूजीएआई) की महासचिव चंपिका सयाल उपस्थित थे। पीजीएआई के अध्यक्ष रोमित बोस, भारतीय पुरुष पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी और आईजीपीएल के आइकन खिलाड़ी शिव कपूर और भारतीय पुरुष पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी और आईजीपीएल के आइकन खिलाड़ी एसएसपी चौरसिया भी मौजूद थे।

भारत की 12 सदस्यीय टीम विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भाग लेगी

नई दिल्ली, 4 सितंबर। ओलंपियन दीपिका कुमारी और कंपाउंड स्टार ज्योति सुरेखा वेन्नम सहित 12 सदस्यीय भारतीय टीम शनिवार से कोरिया गणराज्य के ग्वांगजू में शुरू होने वाली विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में भाग लेगी। कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल में ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत भी 12 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप पहली बार 1931 में आयोजित हुई थी। 1950 के दशक से प्रत्येक दो वर्ष में इसका आयोजन हो रहा है। भारतीय तीरंदाजों ने इस प्रतियोगिता में 15 पदक जीते हैं। जिनमें तीन स्वर्ण, नौ रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। बर्लिन 2023 में आयोजित पिछले संस्करण में तीन स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीत कर भारत पहले स्थान पर रहा था।

बर्तवाल ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत के लिए विजयी शुरुआत की

लिवरपूल (ब्रिटेन), 4 सितंबर। भारतीय मुक्केबाज पवन बर्तवाल ने गुरुवार को पुरुषों की 55 किलोग्राम भार वर्ग की करीबी बाउट में ब्राजील के माइकल डगलस ट्रिनडे को हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में विजयी शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में पहले दो राउंड के बाद बर्तवाल और ट्रिनडे बराबरी पर थे, लेकिन दूसरे राउंड में ट्रिनडे ने बर्तवाल की बढ़त को खत्म कर दिया। इसके बाद बर्तवाल ने तीसरे और अंतिम राउंड में दबाव में अपनी कुशलता का प्रदर्शन करते हुए अपने ब्राजीलियाई प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ा।

आरसीए की एजीएम आज एजीएम में राज्य के पूर्व टेस्ट खिलाड़ियों व बीसीसीआई, आरसीए के पूर्व खेल प्रशासकों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

जयपुर, 4 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एजीएम (वार्षिक आम बैठक) कल दिनांक 5 सितंबर 2025 को जयपुर में सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए ऑफिस, आरसीए अकादमी पर दोपहर 1.00 बजे आयोजित की जाएगी। संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि आरसीए एजीएम की शुरुआत राजस्थान के पूर्व दिवंगत अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट खिलाडी स्वर्गीय हनुमंत सिंह , स्वर्गीय पार्थसारथी शर्मा , स्वर्गीय सलीम दुर्रानी व बीसीसीआई - राजस्थान क्रिकेट संघ के विकास में अमूल्य योगदान देने वाले राज्य के पूर्व खेल प्रशासकों स्वर्गीय महाराणा भगवत सिंह, स्वर्गीय पी एम रूंगटा, स्वर्गीय राज सिंह डुंगरपुर, स्वर्गीय कमल मोरारका, स्वर्गीय किशन रूंगटा, स्वर्गीय मानवेन्द्र सिंह, स्वर्गीय राजेंद्र सिंह राठौर, स्वर्गीय अशोक ओहरी व स्वर्गीय राकेश अग्रवाल को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

सोलफिल क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 4 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में एनसीसी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 21 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! आरुष चौधरी ने आठ ओवर में सात रन देकर 6 विकेट लिए! और 6 ओवर मेडइन डालें। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोलफिल क्रिकेट अकादमी ने सात ओवर में 22 रन एक विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से समीर जाट ने एक विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच आरुष चौधरी को चुना गया।

अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 7 सितंबर से

जयपुर, 4 सितंबर। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर - 23 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल दिनांक 7 सितंबर को प्रातः 9 बजे के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित की जाएगी। चयन ट्रायल में केवल जयपुर के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1 सितंबर 2002 या इसके बाद हुआ है । जो खिलाड़ी ट्रायल देना चाहते है उनको अपना रजिस्ट्रेशन के एल सैनी स्टेडियम पर दिनांक 5 व 6 सितंबर को प्रातः 9 बजे से 5 बजे तक कराना होगा। खिलाड़ियों को रजिस्ट्रेशन के लिया निम्नलिखित दस्तावेज लाने होंगे। कंप्यूटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र, स्वयं का व माता - पिता का आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, पिछले 3 वर्ष की मार्कशीट लाना होगा।

69वीं जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओ का आगाज

जयपुर, 4 सितंबर। गुरुवार को धारव हाई स्कूल, अजमेर रोड, जयपुर के विशाल प्रांगण में 69वीं जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या निशि धंजल ने ध्वजारोहण करके सभी प्रतिभागियों को खेल-भावना के साथ खेलने की शपथ दिलवाई । इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्रा वर्ग के लिए अंडर 14 वर्ष शतरंज प्रतियोगिता, छात्र वर्ग के लिए अंडर 17 वर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता, छात्र वर्ग के लिए अंडर 19 वर्ष फुटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा । इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्रा वर्ग के लिए अंडर 14 वर्ष शतरंज प्रतियोगिता हेतु 120 टीमें और 600 प्रतिस्पर्धी सम्मलित हुए । वहीँ दूसरी ओर अंडर 17 वर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता तथा अंडर 19 वर्ष फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए 102 टीमें और 1850 प्रतिस्पर्धी हिस्सा लेंगे । ये सभी प्रतियोगिताएँ धारव हाई स्कूल, अजमेर रोड, जयपुर के तत्वावधान में 4 सितंबर 2025 से 7 सितंबर 2025 तक आयोजित होंगी । इस अवसर पर डिप्टी डी.ओ. अखिलेश सिंह ने विद्यालय के खेल मैदानों का निरीक्षण करके खेल-संसाधनों की प्रशंसा की तथा उपस्थित सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

अमृतलाल ने तीन तरफा प्लेऑफ में जीता पीजीटीआई नेक्सजेन खिताब

पटना, 4 सितंबर। चंडीगढ़ के अमृत लाल ने लखनऊ के गोल्फर संजीव कुमार और नोएडा के लक्ष्य नागर को तीन-तरफा प्लेऑफ में हराकर पटना गोल्फ क्लब द्वारा आयोजित पीजीटीआई नेक्सजेन 2025 में अपनी पहली पेशेवर जीत दर्ज की। 25 वर्षीय अमृत लाल (70-70-74), जो रात भर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे, ने अंतिम राउंड में दो-ओवर 74 का स्कोर बनाया और नियमित 54 होल के बाद संजीव कुमार (72-70-72) और लक्ष्य नागर (68-72-74) के साथ दो-अंडर 214 के कुल स्कोर के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष पर रहे।

तीन-तरफा प्लेऑफ में, लक्ष्य पहले अतिरिक्त होल पर बोगी करने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसके बाद, दूसरे अतिरिक्त होल पर, अमृत की निरंतरता ने उन्हें एक बार फिर बराबरी का स्कोर बनाने में मदद की, जबकि संजीव एक बोगी खाकर चूक गए। अमृत लाल ने 2,54,300 रुपये का विजयी चेक जीता, जिससे वह 2025 पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में 13 पायदान ऊपर चढ़कर 17वें से चौथे स्थान पर पहुंच गए। चंडीमंदिर के उमेद कुमार (71) ने एक अंडर 215 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

Jodhpur Development Authority, Jodhpur

E-Auction Programme of Residential, Commercial & Farm House Plots in Jodhpur (Sep. -Dec, 2025)

(नवरात्रि व दीपावली के शुभ अवसर पर भव्य ई-नीलामी)

क्रमांक :-एफ46 / नीलामी / 2025 / सितम्बर / 17421576 दिनांकः- 03.09.2025

भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी
दिनांक 15.09.2025 से 01.12.2025 तक

167 आवासीय, व्यावसायिक एवं फार्म हाउस भूखण्ड

राजीव गांधी नगर में कुल भूखण्ड (221.4 वर्ग मीटर से 445 वर्ग मीटर) **15**	फार्म हाउस में कुल भूखण्ड (1500 वर्ग मीटर से 2580.22 वर्ग मीटर) **15**	खसरा संख्या-701 ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (72 वर्ग मीटर से 324 वर्ग मीटर) **16**
विवेक विहार में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 1560 वर्ग मीटर) **33**	अरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (96 वर्ग मीटर से 447.5 वर्ग मीटर) **18**	झरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (49.5 वर्ग मीटर से 216 वर्ग मीटर) **12**
रामराज नगर ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (व्यवसायिक) (3179.57 वर्ग मीटर से 6750 वर्ग मीटर) **02**	मण्डलनाथ आवास में कुल भूखण्ड (41.80 वर्ग मीटर से 613.15 वर्ग मीटर) **36**	विज्ञान नगर में कुल भूखण्ड (92.01 वर्ग मीटर से 679.83 वर्ग मीटर) **20**

ईएमडी जमा दिनांक: 15 सितम्बर 2025 से प्रारम्भ

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथिः 15 सितम्बर 2025; अंतिम तिथिः 01 दिसम्बर 2025

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा)
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

निदेशक वित्त
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर
फोनः- 0291-2656355, 2656356

राज.संवाद/सी/24/9366

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
नीलामी की प्रक्रिया SSOID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

राजस्थान की छवि, दिव्यांशी, सुभाष और प्रभव सेमीफाइनल में

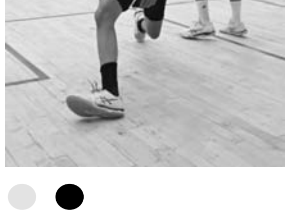

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान की छवि सारण, दिव्यांशी जैन, सुभाष चौधरी और प्रभव बाजोरिया ने गुरुवार को यहां एसएमएस स्टेडियम कोर्ट्स पर खेली जा रही गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपनी- अपनी कैटेगरी के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। छवि सारण ने अंडर-19 गर्ल्स के क्वार्टर फाइनल में याशी जैन को 12-10, 11-6, 11-9 से हरा सेमी फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका मुकाबला रुद्रा सिंह से होगा। दिव्यांशी जैन ने गर्ल्स अंडर-13 कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रिया दलाल को सीधे सेटों में 11-3, 11-3, 11-1 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई। सेमी फाइनल में दिव्यांशी का मुकाबला शुक्रवार को शनाया परसरामपुरिया से होगा। दूसरा सेमी फाइनल करीना शशिकुमार और नंदिकाश्री कलाइवनन के बीच खेला जाएगा। वहीं अंडर-13 बॉयज में प्रभव बाजोरिया ने रोहन खुराना को 11-6, 11-8, 11-9 से हरा सेमी फाइनल में कदम रखा। लेकिन इसी कैटेगरी के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में राजस्थान के ओम ठाकुर को अभ्युदय अरोड़ा के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। सेमी फाइनल में प्रभव की टक्कर शयान समतानी से होगी, जबकि दूसरा सेमी फाइनल आमार्य बजाज और अभ्युदय अरोड़ा के बीच होगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश : विधायक अतिवृष्टि क्षेत्र का सघन निरीक्षण करें

प्रभारी मंत्रियों व सचिवों को भी दो दिन जिलों में राहत व बचाव कार्य की निगरानी के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 4 सितंबर। राजस्थान में अतिवृष्टि के कारण उत्पन्न हालात को देखते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों को 5, 6 एवं 7 सितंबर को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आमजन की समस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्रियों और सचिवों को भी निर्देशित किया है कि वे दो दिन तक जिलों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करें तथा आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराएं। भारी बारिश से बनी स्थिति को लेकर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष 1 जून से 1 सितंबर तक प्रदेश में औसत से 56 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। ऐसे में सभी विधायक अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर राहत कार्यों को गति दें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विधायक और प्रभारी मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में जिला कलेक्टर व अन्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें करें और राहत कार्यों की प्रगति की जानकारी लें। साथ ही, प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों का मनोबल बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि निचले इलाकों से समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और भोजन पैकेट, पीने का पानी, दवाइयां व कपड़े जैसी जरूरी सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक नियमित रूप से मीडिया व आम जन को राहत कार्यों की जानकारी दें ताकि किसी प्रकार की अफवाह नहीं फैले।

महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित अस्थायी आश्रय की व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक नियमित रूप से मीडिया और आमजन को राहत कार्यों की जानकारी दें, ताकि किसी प्रकार की अफवाह न फैले। सोशल मीडिया पर भी हेल्पलाइन नंबर और राहत कार्यों की जानकारी साझा की जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा टीमों की तैनाती, पशुओं के टीकाकरण, पेयजल स्रोतों के क्लोरीनेशन, शिविरों में स्वच्छता की निगरानी और लोगों को गंदे पानी से दूर रहने व साफ भोजन-पानी के लिए जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तंबाकू, कच्चा तंबाकू और तंबाकू अपशिष्ट, सिगार, चेरूट्स, सिगारिलोस, तंबाकू के विकल्प, वातित पेय (एयरेटेड ड्रिंक्स), कार्बोनेटेड पेय (फल-आधारित भी), कैफीन युक्त पेय, 1,200 सीसी (पेट्रोल) या 1,500 सीसी (डीजल) से बड़ी कार, 350 सीसी से अधिक क्षमता वाली मोटरसाइकिलें, यॉट्स (निजी नौकाएँ), निजी उपयोग के लिए विमान, रेसिंग कार, ऑनलाइन जुआ और गेमिंग प्लेटफॉर्म। इनमें से अधिकांश वस्तुओं पर पहले ही 28 जीएसटी और क्षतिपूरक उपकर लग रहा था, जिससे कुल कर भार लगभग 40 तक पहुँच रहा था। जीएसटी परिषद ने 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया है और संरचना को केवल दो स्लैब में समेट दिया है: 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। टूथपेस्ट, साबुन, शैम्पू, छोटी कारें, टेलीविज़न, और एयर कंडीशनर जैसी रोज़मर्रा की वस्तुएँ अब कम कर-दरों में आएँगी। बहुत सी दवाएँ, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ और चिकित्सा-ग्रेड ऑक्सीजन या तो कर-मुक्त कर दी गई हैं या 5 प्रतिशत स्लैब में लाई गई हैं।

सीजन में पहली बार माही बांध के सभी 16 गेट खोले

अगस्त में 4 गेट खोल कर पानी की निकासी की गयी थी, पर कैचमेंट क्षेत्र से पानी की आवक बढ़ती गयी

उदयपुर, 4 सितम्बर (कासं)। विदाई से पहले, मेवाड़-वागड़ के कई भागों में मध्यम से तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के खेरवाड़ा में 81 मिलीमीटर बारिश हुई। कई जलाशयों में पानी की आवक लगातार बनी हुई है।

कैचमेंट में अच्छी बारिश होने और पानी की आवक तेज होने पर गुरूवार को बांसवाड़ा जिले में स्थित माही बांध के सभी 16 गेट खोल दिए गए। इस सीजन में पहली बार माही बांध के सभी 16 गेट खोले गए हैं। अगस्त में इस बांध के 4 गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई थी। उसके बाद आवक बनी रही तो पिछले दिनों और ज्यादा गेट खोले गए। लगातार निकासी के बावजूद, पिछले 24 घंटों में कैचमेंट से पानी की आवक और तेज होने पर पानी की निकासी के लिए बांध के सभी 16 गेट खोल दिए गए।

■ उदयपुर की आयड़ नदी से पिछोला में आवक बनी हुई है। दोनों गेट तीन फीट खोलने के बाद भी उदय सागर का जलस्तर बढ़ रहा है।

जलसंसाधन विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के खेरवाड़ा में 81 मिलीमीटर, ऋषभदेव में 55, नया गांव में 50, वल्लभनगर में 42, सोमकागदर में 40, सलूंबर में 63, दानपुर बांसवाडा में 65, भदेसर चित्तौड में 48, वागन डेम प्रतापगढ़ में 91 और अरनोद में 58 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मदार नहर से फतहसागर और सीसारमा नदी से पिछोला में आवक जारी है। आयड़ नदी से उदयसागर में आवक बनी हुई है। दोनों गेट तीन-तीन फीट खोल रखे हैं। उसके बावजूद उदयसागर का जलस्तर बढ़ ही रहा है। पिछले 24 घंटों में उदयसागर के जलस्तर में 2 इंच की बढ़ोतरी हुई है। मादड़ी बांध का गेज 34 फीट के मुकाबले 33 हो गया है। टनल का गेट 6 इंच खोलकर पानी पिछोला में डायवर्ट किया जा रहा है। देवास प्रथम बांध का पानी भी टनल से पिछोला डायवर्ट कर रखा है। देवास प्रथम बांध दो फीट ही खाली है।

अजमेर : बोराज तालाब की पाल में रिसाव, स्वास्तिक नगर के 80 मकान खाली कराये

जिला प्रशासन को आशंका है कि दरार व रिसाव के कारण तालाब की पाल कभी भी टूट सकती है

अजमेर, 4 सितम्बर (कासं)। गुरुवार सुबह से हो रही बरसात से शहर की सड़कें दरिया बनी गईं तो वहीं निचली बस्तियों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आगामी दो-तीन दिनों में तेज बारिश की संभावना जताई है। आम का तालाब क्षेत्र की कॉलोनी में बरसात का पानी भरने से लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं। वहीं, बारिश से बोराज तालाब लबालब होने से पाल में आई दरार और रिसाव की आशंका के चलते जिला प्रशासन ने फायसागर रोड स्थित स्वास्तिक नगर कॉलोनी के करीब 80 मकानों को खाली कराया है। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगातार बारिश से तालाब की पाल पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे पाल कभी भी टूट सकती है। तालाब क्षेत्र के बोराज गांव, रावत नगर व स्वास्तिक नगर सबसे अधिक प्रभावित हैं, कई घरों में पानी भरा हुआ है।

■ तालाब क्षेत्र के बोराज गांव, रावत नगर व स्वास्तिक नगर सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। एन. डी. आर. एफ. और सिविल डिफेन्स की टीमें भी तैनात कर दी गई हैं।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह से तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक रिमझिम फुहार के रूप में जारी रहा, जिससे मुख्य सड़कों पर पानी भर गया तथा वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा निगरानी रखी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार दो-तीन दिन अजमेर संभाग के कई इलाकों में कहीं-कहीं मध्य से तेज बारिश की संभावना है। मानसून के इस सीजन में अब तक एक हजार एमएम बारिश रिकार्ड की जा चुकी है, जिन कॉलोनियों में बरसात का पानी भरा है, वहां, मडपंप लगाकर पानी की निकासी की जा रही है।

शहर में लगातार हो रही बारिश से बोराज तालाब लबालब होने से पाल में आई दरार और रिसाव की सूचना मिलने पर एडीएम सिटी गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मौके पर पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की टीम मौजूद रही। एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें भी तैनात की गई हैं। राठौड़ ने बताया कि तालाब की पाल पर लगातार नजर रखी जा रही है और एहतियात के तौर पर डूब क्षेत्र फायसागर रोड स्थित स्वास्तिक नगर कॉलोनी के करीब 80 मकानों को खाली कराया है, प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए कहा, "उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में हमने अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। पंजाब की तस्वीरों में तो पूरे के पूरे गांव और खेत उजड़ चुके हैं। विकास जरूरी है, लेकिन संतुलन भी जरुरी है।"

"प्रकृति के साथ छेड़छाड़ अब पलटकर सामने आ रही है"

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को पीठ ने मामले को गंभीरता से लेने को कहा। न्यायालय ने टिप्पणी की, "एसजी साहब, कृपया इस पर ध्यान दें। यह एक गंभीर मामला प्रतीत होता है। भारी मात्रा में लकड़ी के लट्ठे बहते देखे गए हैं, जो पेड़ों की अवैध कटाई को दर्शाते हैं।" मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि वे तुरंत पर्यावरण मंत्रालय के सचिव और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से बात करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा, "हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दी है कि अब प्रकृति उसका जवाब दे रही है।"

अदालत यह सुनवाई एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर कर रही थी, जो अनामिका राणा द्वारा दायर की गई थी। याचिका में हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार होने वाली आपदाओं के मद्देनज़र रोकथाम और सुधारात्मक उपायों के लिए निर्देश मांगे गए थे। याचिका में कहा गया है कि केंद्र और राज्य, दोनों के पास आपदा प्रबंधन के लिए समर्पित संस्थाएं हैं, फिर भी वे प्रभावी योजना बनाने और लागू करने में विफल रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप नुकसान की मात्रा और आपदाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही है।

याचिका में विनाश की तीव्रता बढ़ाने वाले कई कारणों की ओर संकेत किया गया – जैसे पहाड़ी सड़कों के लिए निर्धारित नियमावली की अनदेखी, जल स्रोतों पर अतिक्रमण, और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का पालन न किया जाना।

याचिका में यह आरोप लगाया गया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय हिमालयी क्षेत्र की नाज़ुक पारिस्थितिकी और नदियों की सुरक्षा करने के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहे हैं।

याचिका में विशेष जांच दल के गठन की मांग की गई है, जो पर्यावरणीय कानूनों और सड़क निर्माण दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की जाँच करे।

इसमें राजमार्ग और सड़क निर्माण परियोजनाओं में हुई गड़बड़ियों और अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की गई है, तथा स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति का गठन करने की बात भी कही है, जो भूस्खलन वाले क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक, भू-तकनीकी, पर्यावरणीय और पारिस्थितिकी संबंधी जांच करे।

याचिका में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापना के लिए उपायों की सिफारिश करने की इच्छा जताई गई है, ताकि नागरिकों के मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 14 और 21) की रक्षा हो सके।

नेता प्रतिपक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बुढ़ानिया ने आरोप लगाया कि सरकार के मंत्री हेलिकॉप्टर से दौरे कर रहे हैं, लेकिन किसानों की सुध नहीं ले रहे। उन्होंने कहा कि गोदामों में पानी भर गया है, कई इलाके जलमग्न हैं, पर सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की फसलें दो बार बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन गिरदावरी तक के आदेश नहीं दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार के कानों के पर्दे खुल जाएं, इसलिए वे जोर से बोल रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सदन में आए जरूर, लेकिन कुछ समय बाद बिना कोई घोषणा किए चले गए।

विधानसभा में जब आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने स्थगन प्रस्तावों का जवाब देना शुरू किया, तभी विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस विधायक अशोक चांदना बिना अनुमति के बोलने लगे, जिस पर स्पीकर ने आपत्ति जताई। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। स्पीकर ने बार-बार कांग्रेस विधायकों से शांत रहने की अपील की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि अब तक 26 मृतकों के परिजनों को 1.04 करोड़ रुपये का मुआवजा बांटा जा चुका है। 22 जिलों में असामान्य, 16 जिलों में अतिरिक्त और 3 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है।

■ सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। दूसरी बार की कार्यवाही महज 33 मिनट ही हुई। हंगामे में सरकार ने तीन बिल पास कराये।

स्पीकर ने कांग्रेस विधायकों को फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार की तरफ से जवाब दिया जा रहा था, लेकिन आपने सुना ही नहीं। वैल में आकर विधायकों ने मिसबिहेव किया, जो बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन उसकी भी मर्यादा होती है।

हंगामे और नारेबाजी के बीच विधानसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12:34 बजे स्थगित की गई, और दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू होने पर, फिर से हंगामे के कारण 33 मिनट बाद स्थगित कर दी गई। अब सदन की अगली बैठक 8 सितंबर को होगी।

राजस्थान की राजनीति में यह घटनाक्रम किसानों की समस्याओं और सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर गहराते राजनीतिक संघर्ष का संकेत है। जहां सरकार दावा कर रही है कि हर पीड़ित को सहायता दी जाएगी, वहीं विपक्ष इसे नाकाफी बताते हुए, सड़कों से लेकर सदन तक प्रदर्शन कर रहा है।

कांग्रेस को "...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, 2018 से अब तक 7 साल हो गए। वायदे के मुताबिक म्युनिसिपल वेस्ट से या लकड़ी के बुरादे से एक लीटर एथेनॉल भी नहीं बनाया है। और जो 627 करोड़ लीटर एथनॉल बना है, उसमें से 56 प्रतिशत गन्ने से बना है और बाकी अनाज से बना है। कुल 627 करोड़ लीटर एथनॉल में से एक लीटर भी म्युनिसिपल वेस्ट से नहीं बना। ये शॉकिंग है और बहुत हैरान कर देने वाला आंकडा है। जहां तक पर्यावरण के दावे हैं उनकी चौंकाने वाली सच्चाई कुछ और है। एक लीटर एथनॉल बनाने के लिए तीन हजार लीटर पानी की खपत होती है। ये दूसरा चौंकाने वाला आंकड़ा है। खेड़ा बोले, हमें कहा गया कि साहब एथनॉल से माइलेज बहुत अच्छा होगा और रख रखाव की चिंताएं हैं, खत्म हो जाएंगी पर उल्टा हुआ। नीति आयोग तक माइलेज में 6 प्रतिशत गिरावट स्वीकार करता है, लेकिन हकीकत तो और ज्यादा है। वर्ष 2023 से पहले जितने इंजन हमारे यहाँ बने हैं, वे इंजन डैमेज हो रहे हैं। कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है कि एथनॉल की जो डिस्टीलरीज़ होती है वो रैड कैटगरी में आती हैं प्रदूषण फैलाने में आगेहोती हैं।

एस. आई. भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर पेपर लीक गैंग के सदस्य विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेवाड़ से एसआई भर्ती परीक्षा-2021 का लिखित परीक्षा का लीक सॉल्वड पेपर का आठ लाख रुपए में सौदा किया था। दोनों परियों का लीक सॉल्वड पेपर विनोद कुमार रेवाड़ के जरिए कार्तिकेय शर्मा के मोबाइल पर व्हाट्सएप पर लिया था। लीक सॉल्वड पेपर को पढ कर रिंकू यादव ने एसआई भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा दी थी। लिखित परीक्षा में हिन्दी विषय में 126.01 और सामान्य ज्ञान विषय में 160.65 अंक, इस प्रकार कुल 286.66 अंक प्राप्त किए थे। लेकिन अंतिम रूप से रिंकू यादव का चयन नहीं हुआ। एसओजी ने प्रकरण में अब तक 55 प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सहित कुल 126 आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिव है। संघ के अध्यक्ष रहे महावीर रांका के खिलाफ सहकारिता विभाग में शिकायत दी गई थी और उन्हें पद से हटाया गया था। वहीं, याचिकाकर्ता ने सहकारिता विभाग में प्रार्थना पत्र पेश कर चुनाव कराने की मांग की थी, जिसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संघ की जांच विभाग में लंबित चल रही है। याचिका में कहा गया कि इसके बावजूद, बीकानेर में चुनाव कराने के लिए विज्ञप्ति का प्रकाशन कराया गया है।

जी.एस.टी. 2.0 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुधार की कोशिशें पहले से चल रही थीं, लेकिन, मौजूदा आर्थिक हालात में इन्हें तुरंत लागू करने की ज़रूरत महसूस हुई।

उम्मीद है कि कई वस्तुओं पर टैक्स रेट्स में कटौती और स्लैब पुनर्गठन से घरेलू खपत बढ़ेगी। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के एक बड़े निर्यात बाज़ार (अमेरिरका) में कठिनाइयाँ बढ़ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीति से भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाज़ार से बाहर हो सकते हैं। कपड़ा और परिधान जैसे बड़े निर्यात क्षेत्र पहले से दबाव में हैं और इन क्षेत्रों में रोज़गार तेजी से घट रहा है।

कर कटौती से घरेलू माँग को बढ़ाकर विदेशी बाज़ारों में हुए नुकसान की भरपाई की जा सकती है। यही तर्क अमेरिका ने पूर्व राष्ट्रपति रीगन के दौर में अपनाया था, जब कर कटौती ने उनकी अर्थव्यवस्था को मजबूती दी थी। इसी तर्क पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उम्मीद है कि मोटर कार से लेकर दूध उत्पादों तक, टैक्स घटने से घरेलू माँग बढ़ेगी। प्रधानमंत्री भी यही कहते रहे हैं कि सरकार कम कर दरों के ज़रिए लोगों के पास अधिक पैसा छोड रही है ताकि वे अधिक उपभोग पर खर्च कर सकें।

अगर घरेलू खपत बढ़ती है तो यह फायदेमंद हो सकता है। अधिक खपत से उत्पादक निवेश बढ़ाएँगे, निवेश से रोज़गार पैदा होगा और फिर विकास की गति तेज होगी। लेकिन आलोचक कहते हैं कि भारत के निजी क्षेत्र का इतिहास बताता है कि बढ़ती माँग हमेशा बड़े निवेश और रोज़गार में नहीं बदलती। हाल के वर्षों में भी निजी निवेश कमज़ोर रहा है और केवल सरकार के बड़े बुनियादी ढाँचे के प्रोजेक्ट्स ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

अगर माँग बढ़ी लेकिन आपूर्ति नहीं बढ़ी तो इसका नतीजा महँगाई हो सकती है और यह दुष्चक्र का रूप ले सकती है और संतुलन बिगाड़ सकती है। यह भी एक संभावना है। फिर भी, रोज़मर्रा की चीज़ों पर कर में बड़ी कटौती से अर्थव्यवस्था को गति मिल सकती है और निजी निवेश बढ़ सकता है। खासकर मौजूदा समय में, जब निवेश के अवसर खुले हैं और विदेशी कंपनियाँ भारतीय बाज़ार में निवेश करने आ रही हैं। हाल ही में मोबाइल फोन से लेकर मोटर कार तक विदेशी निवेश में तेजी आई है।

■ निराशावादियों की इस आशंका के बावजूद वित्त मंत्री ने एक हिम्मत वाली रणनीति अपनाई है और भगवान करे उनका यह रिस्क कामयाबी में तब्दील हो।

ये वैश्विक कंपनियाँ भारत में विश्वस्तरीय निर्माण कर रही हैं और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में अपनी जगह बना रही हैं। साथ ही, ये बेहतर आय वाले रोज़गार भी पैदा कर रही हैं।

इसलिए मौजूदा सुधारों को सिर्फ कर सुधार नहीं बल्कि सार्वजनिक वित्तीय ढाँचे के बड़े सुधार के रूप में देखना चाहिए। इन्हें मौजूदा भू-आर्थिक हालात और देश पर उनके असर के संदर्भ में समझना होगा। इस दृष्टि से देखें तो यह बदलाव समयानुकूल है और विकास को नई दिशा दे सकता है। अब बस इंतज़ार करना होगा कि नतीजे कैसे सामने आते हैं।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावित हैं। वासुदेव घाट, निगम बोध घाट, मोनेस्ट्री और मजनूं का टीला भी पानी में डूब गये हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव चल रही है।

जमानती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजिस्ट्रेट और एडीजे क्रम-6 महानगर द्वितीय की ओर से अदालती आदेश की पालना में अपना स्पष्टीकरण पेश किया, लेकिन अदालत उससे संतुष्ट नहीं हुई। अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारी अपने स्पष्टीकरण में बता रहे हैं कि प्रकरण में गैर जमानती अपराध के तत्व मौजूद थे, लेकिन जमानत खारिज करने के आदेश में इसका कोई उल्लेख नहीं है।

अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों ने मशीनी अंदाज में जमानत प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया। जमानती अपराध में जमानत को अधिकार का विषय माना जाता है, न कि न्यायिक अधिकारी के विवेक का। अदालत ने कहा कि पहली बार जब आरोपी को पेश किया जाता है तो मजिस्ट्रेट के लिए यह अनिवार्य है कि वह सभी दस्तावेजों और साक्ष्य पर विचार करे। इस प्रकरण में जांच अधिकारी, दोनों पक्षों के वकील और न्यायिक अधिकारी अपने कर्तव्य के निर्वहन में विफल रहे हैं। कुछ हद तक यह कोर्ट भी याचिकाकर्ताओं की हिरासत के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि बड़ी संख्या में जमानत याचिकाओं के लंबित होने के कारण वह प्रकरण को प्राथमिकता से नहीं ले सका।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर को दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर उससे तीन लाख रुपए का चेक लेने के आरोप में याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी 16 जून, 2025 से न्यायिक अभिरक्षा में थीं। जमानती अपराध के बावजूद, उन्हें जेल में रखा गया। वहीं हाईकोर्ट ने उन्हें गत तीस जुलाई को जमानत दी थी।

एम. आई. रोड पर सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा बना

कहा जा रहा है कि सीवरेज लाइन के नजदीक मिट्टी का कटाव होने से गवरमैंट हॉस्टल चौराहे पर यह गड्ढा बना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 4 सितंबर। । राजधानी जयपुर में मिर्जा इस्माइल रोड (एम.आई.रोड) पर गर्वमेंट हॉस्टल चौराहे के पास गुरूवार सुबह सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया। गनीमत रही कि उस वक्त घटनास्थल से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी। बताया जा रहा है कि जयपुर में बीते 4 दिनों से हो रही तेज बारिश के कारण सीवरेज लाइन के नजदीक मिट्टी का कटाव हो गया और गुरूवार सुबह करीब सवा 9 बजे यहां पर करीब 20 फीट गहरा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। इस घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दौड़कर मोर्चा संभाला और बैरिकेड्स लगाकर आसपास आवाजाही रोकी। देखते ही देखते गड्ढे ने विशाल रूप ले लिया, सूचना पाकर नगर निगम हैरिटेज की टीम भी मौके पर पहुंची और मिट्टी का कटाव रोकने और गड्ढा भरने के प्रयास में जुट गई। इस हादसे के बाद एम.आई. रोड पर दिनभर भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा, दिनभर यहां से वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े।

■ चौराहे पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दौडकर मोर्चा संभाला और बैरिकेड्स लगा कर ट्रैफिक रोका। देखते ही देखते गड्ढा बढ़कर 20 फीट गहरा व 10 फीट चौड़ा हो गया।

जयपुर में लगातार हो रही बारिश से एम.आई. रोड पर गर्वमेंट हॉस्टल चौराहे के पास गुरूवार सुबह सड़क धंस गई जिससे 10 फीट चौड़ा और 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

बताया जा रहा है कि राजधानी जयपुर में सीवरेज लाइनें करीब 50-60 वर्ष पुरानी हैं। टेलीकॉम कंपनियों द्वारा अंडरग्राउंड केबल्स डालने तथा सीवरेज लाइन के नजदीक छोटे-छोटे गड्ढों में से बारिश के पानी का रिसाव होने के कारण सड़क धंसी है। नगर निगम हैरिटेज की टीम ने सड़क में बने गड्ढे में से बारिश का पानी निकालकर आसपास खुदाई कार्य शुरू करवायी है, ताकि अगर कहीं और भी मिट्टी का कटाव हो तो मालूम चल सके।

नगर निगम के चेयरमैन उत्तम शर्मा ने कहा कि लगातार हो रही बारिश के बाद सीवरेज लाइन डैमेज हो गई थी, जिसकी वजह से सडक के मामूली गड्ढे ने विशाल रूप ले लिया। नगर निगम की टीम द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ गड्ढे को भरने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जल्द ही गड्ढे को भरकर यातायात व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से शुरू कर दी जायेगी।

किशनपोल जोन के सहायक अभियंता इमरान ने बताया कि पुरानी सीवरेज लाइन लीक होने की वजह से गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे पर गड्ढा हुआ था। फिलहाल निगम की टीम द्वारा गड्ढे को खाली कर मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। जल्द ही इस गड्ढे को फिर से ठीक करके सड़क बना दी जायेगी। इस कार्य में 2 से 3 दिन का समय लगने की संभावना है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908